अश्वाहित विश्वाहित । विश्वाहि

## न्गान क्या

षिष्ठेत्र'न्न्द्रेत्रे'न्न्र्र्यं।	. 3
চিষাস্ট্রাস্ক্রাস্থা টু	55

**७** ।≝ँट'षर'तहस'न्धट्य'स्छित्र'च्छिते'न्नट'र्थं'न्ट'तहस' <u>न्चन्यक्त्राणुः र्वेषणुः स्याध्याय्ये प्रम्यास्य प्रम्यास्य प्रम्यास्य प्रम्यास्य प्रम्यास्य प्रम्य</u> सर्वेद विषाद्यायायव्यायार्थे। ७ । निर्मेगायित्रायम् अपनि केत्र विगाये तृगा गरेगार्ग्नेटा। ।देरतेदायार्थेयार्र्यार्थ्याः सुत्र ग्र्यायायायायायाया दिया द्वारा ह्या श्राम्या स्व के के या विषा भेव भव भारा मार्थ मार्थ भारा मार्थ भा तर्भे तशुर अद पर पर्हेद। ठेषायर्केन् प्रमान्हेन् प्रिये केंगा यो से मेंगा हेंन न् तर्वेर वया हैंदा यर तह या प्रचित्या अधिव परेते। न्नन्नें न्नायहर्यान्न्न्यार्केषाणुः र्र्वेषाणुः रूथा वर अर्रेर पर्श्या सु पर्हित पा च हो।

ब्राष्ट्रिव प्रहेदि प्रपर्ध

न्यत्र विषाय्य प्रह्माय्य प्रमुद्धियाय स्थित । विष्य प्रमुद्धिय । विषय ।

यहत्यप्य निष्य स्वार्थ के स्वार्थ हे मिटाया अटत में प्रक केव पर्ट पर्या में हे र्शेयायाणीःयानेरायायान्यराद्यायायायान्यरा पष्ट्रवापाष्ट्रमा यपाग्रेंबार्यस्याया हुंदा केवा सेवा केव प्रवास्कुराप्ता धुकार्रेगाप वर पर्रेष् व्ययायर्कें यातेयाग्री श्रयाशु रचा जूट चर्छ चर्वे परिः ञ्चन्यायः वर्षेत् ज्ञान्यते । यर्षेत्राक्षायः वर्षेत्राक्षायः वर्षेत्राकष्णे वर्षेत्राकष्णे वर्षेत्राकष्णे वर्षेत्राकष्णे वर्षेत्राकष्णे वर्षेत्राकष्णे वर्षेत्राकष्णे वर्षेत्रावर्षेत्राच्यायः वर्षेत्रावर्षेत्रावर्षेत्रावर्षेत्रावर्षेत्राच्यायः वर्षेत्रावर्ये वर्षेत्रावर्षेत्रावर्ये वर्षेत्रावर्षेत्रावर्ये वर्षेत्रावर्ये वर्षेत्रावर्ये वर्ये वर्ये वर्ये वर्ये वर्षेत्रे वर्ये वर्य प्रथम् हे न्यो याने र श्रूट निय अर्वेदि में ट यो न्यूर उ'हिंदाकेव विगागी'ने'तर्पम्याशु'र्दे'अर्कर'प्रति'क्ष्र न्यान्द्रपरुषाभ्रापञ्चेषषा श्रिषाषाग्रीषान्त्र र्द्या ग्रे-रुषाधे नेषा अर्वे व 'र्य ध्वा दुवा पा नि स्वाषा शुन क्षेगार्म् तेषायटायटाचरे वेटार्भेटाचाटा र्देव रन्या गुः ही पायट र्पे त्या देया हैया शु र्वा भुं खुट द वया वेया पा केव चेंदि नेयाया यद केट । प्रद

पर रच मु हुट पर खुग्रा भेव मु तर्व। अछिव र्यान्द्रम् अपिश्वान्यम् त्रान्यम् त्रान्यम् वर्षे ह्मित्रम् प्रमान् क्षियायाः होयायाः व्यायाः हो। ययाः येयागी नियानियाय। नियानियाया पर वर से अपन केन जिस्तारा गीन निया प्रहेन तह्व ग्रीयाक्ष भेष्य प्राप्त हेते यापव केव ग्रीययाप वयायायतातके येन्गी यन शेन्नि र्ने गवटावयापहरापहर्या अष्ठिव पर्देशे प्राप्त र् गुव 'न्यात' नष्ट्रव 'पते 'कुय' अर्ळव 'न्यय' न वर 'र्पे ' विषायर्वन गर्भेया देवषाच न्या स्टा हुया भ्रत्याव्ययाद्गावेयापि यक्ताक्षा नेतराहे वर्ने नित्र्वाया है 'यया श्रुवार् देया यया कु यार व क्षेंच पर्धेव पहाले पाय ने वा प्रवाले वा प्रवाले वा

नियाक्षेत्र हें होतान्या पट्टें में अवयाप्या प्रते क्लिया प्रक केव वग्राया ग्री केव केव पर सेंग्राया पन्न वेंद्र खुयाद्र केंबा मुया हि हेंद्र पर्वत्र गु'रु'र्क्ष'प्पप्। वर्ष्च्य'र्ह्र्व'कुय'प्ते'त्र्नुप' ग्वमा अट्यःरेप्रहःकेवा रमःकुटःह्र्यम्मा अर्कत्। श्वाच क्षेत्र स्ट्रा स्ट्रिट कुरा र्या ग्राव अर्छित ग्लॅंट केव पा मुल अर्केग स्पा केव पें। नेग वहेंव तहेग्रायायेन स्नेट पार्येग्रायायी स्नेयाय स्त्रायाय हेराशुर्वरपर्दा गिनेरख्रायरामुयाश्रया परुषाशुअ'र्'पर्वेव'पर्'ष्राशुर्वापरे विषा'अर' यम्यामुयान्नायाव्यापञ्चानेयापार्केयाहे मेन्यापारे नर विव वेव वयान्य ग्रायुया राहे विदे केटा धेव पा

र्हें हेते खुट 'यश ग्रायय प्रमान अर्कें व 'या प्रमा गिने र ' ह्रेव मुलर्पे स्था ह्य पमुषा पङ्गेर हेवेषा गुरुप्ता पते मुल र्रे स्पाय से स्वाय से सित र से ति है ति है । येव प्रमण्युप्राप्यायाँ अर्हें वा भ्रेया म्या वे भ्रेषायप्राम्ब्रायार्थियायदिन्यावयाय्याया यश्यायाया न्यान्यं न्युन्यं न्युन्यं भूनयः नेगामु छूट वट अवया पात्र इं हे वेषा परि शु केता र्रावियाः ययायायायाः स्ट्राच्या प्राच्या स्ट्राच्या स्ट ने'यश्राश्रान्याह्रे'पर्दुव'तह्रान्ययाविव'व्' न्न। श्रेंन'न्येंन'त्ह्य'न्यय'न्रेष'ग्नेन'न्छेर' बेट्रिंट्रिंग्सुं अह्य हें हीव ग्रीय पक्ष्यया दे वर्षान्त्रुटा ह्रे ध्वाप्त्रे ग्वाटाधेव दुटा र्कर से ग्वायव यत्रअ'ग्रेचिष्ठ'प्र'र्द्रअ'ग्रेच्य'र्देव'अ'श्रव'प ह्यायार्यु कुन्यम व्यापादे यात्रेव मन ग्री ग्लेन हैं या

न्गुन्र में ने भूप्र हैंन हैंग्राष्ठ्र रेयापर सेन्या है दॅराधराहे मुन्दर्भात्राम्य प्रमान्य प्रमान्य नेरापठिषापाथार्खामुन श्चेत श्चेत स्मिर्पे भाषत्य रेगा तहें व प्रवाद रें। यथा प्रश्लेव प्रमाहें व प्रमाश व श्ली यार्से हे मेन केन र्सेग्रायायया निमान गानिया ग्रीप्याय ब्रायान्य विष्यायान्त्रीय विष्या विषया विक्रित्र तशुर से प्राप्त सम्बाधिया गुर्व प्राप्त स्था था प्र न्याः संरायमा नेयाः तहेव ख्यामः वेया वे केवः त्युर सेट स्व क्रिंच मा क्रिया मुल त्या क्रिय सेव कि ট্রিন'দ্বদ'বস্কুম'বতথাবাথব'বথাপ্রবাথাগ্রী'র্প্রথা पते स्पापर्याया भे श्रिया में में या प्राप्त में प्राप्त में या प्त में या प्राप्त में या प्राप् क्रॅन्याय्य्रें राग्ने देवायाया स्ट्रियायक्रिया है प्रच्या गर्दर्र्प्यथ केर विषय मुद्रित्य में विषय में विषय

येनशरमशर्कें व 'नगत केव 'नम नु प्रवेश। ।ययर प्रत्र प्र्यूश केव र्रेश न्नुकायार्द्राप्यकायात्रुयायी न्नुकार्से हे तहेव पा न्गे नते नम्भागते वा नेग नते ग्वाम्य मान्य अप्रकाराः श्रेयावाः सिन्धाः यहिव 'चकु' न्नः श्रे 'चकु' र्च्छाः पष्ट्रेव 'हे 'पर्चे 'गर्चे 'भ्रु' र्कंद 'यव 'यग 'रेग्वा 'परे ' ग्रम्भाग्रुर ग्रम्भाग्रापा स्रम्भाग्रापा तर्भा सहित न्नु'यर'ग्रेष'अर्कें अर्कें 'तेन्'र्धेग्राष'ग्रे'ग्रिव्र पन्नाग्यवाञ्चारायवराष्ट्रेवापरायर्ग्य क्रेटाया नगात गानेमा नगात गान्यया ग्यायम होता या देन क्रायाश्वा । नगात नक्रुन गाँ क्रा द्रो स्र्या तर्याता ह्र बितार्यर्ट्ट स्यायार्ड्य ग्री अयायार्ड्य अ'नुअर्यापर'पव्यायापा वस्या उत्'गुे' भ्रेत मुँग लूट्याङ्ग्या श्रिष्यंत्रायायटायाः श्रेटार्ग र्याग्रीः

त्रिंन ये परे प्रोक्षण्याक्षरायाक्ष्र क्षियाका कुर प्र नष्ट्रव नर्देव ग्री निम् र्योग निम् र्योग निम् र्योग निम् यते'यगात'त्यूर'रेव'र्पे'के। क्रेट'या कुट्'त्र्युया নম্পর নেগ্রুম থেকা শ্রুর বাদ নেপ্রবাকা গ্রী বার্হকা র্মি ন धुलाशुनासवतारेषासेन्गी, नष्ट्रवार्चेषाधिन्या ह्यायान्ड्रिययान्यास्यायायान्य न्त्राच्याची न्याया अट्यायव पार्श्याया अट्रें म्व से में न्यु ग्रुअर्ठअर्द्रार्वेषापार्वेष्यं विद्या प्रम्द नकुन्दिग्राम्पदे नगदि केत्र नरुम ग्राम्य क्रमागुःरेटास्यायाययार्थे के यायव राते र्ख्या कुषा रायायव धेया केव कें सेंग्राया सुप्तव्याया हे तर्रया রুবাঝ'নঅ'বাইবাঝ'ন'র্তম'ট্রঝ'র্ন্ব'মইর'ন' अष्ठित रेट वया थट ये प्रतेष प्रति प्राचित्र मा यट केरायायाया कुट के अर्ह् ट प्रिते द्वा वर क्रेंव

श्चन्यायव पार्ट्यान्यायवयायम् श्चन्यायम् सवर स्रेव प्रश्चित सवर से से से से मुन्दि प्रश् येव मुंगविता ने नित्र ने ते से ते स्वाया स्वार्थिया त्रष्ण्यायाः सेन् 'धेव 'सेव 'सेवाया विनाया सातन्या पर अष्ठित्र पति केता श्रुव् अपतः पा यपप्प प्राप्ति विषेत्र ग्राप्त श्रुवे । ग्राप्त । अर्केग्'न्यव्युष्णगुन्'त्य्व न्'र्'येन्'रेष्'त्ह्य' अर्गेव क्रिंगेंव अघत अया गुरा पार्दिया ने न्या श्यामा नुसमा सु प्राचिमा परि र सुंया प्रभूत पत्रा प्राप्ति नेराप्ति व्यार्थिया अरार्देर युगराग्रे स्राविपन्नेत्। ज्ञुन्रेर नेगराग्रुयां श्रे ब्रैंन ब्रैन स्याब्रेन अर्ने वाचन। स्यावर्धेन ब्रैन र् हे निवेट्या क अध्व कुन गुव मेग सँग रागिय यक्ष्य क्रिट्र हो मेव प्रायटारी हेट यदे हिंग्या शु यानेरापायायराक्नेटायो'सु'द्वे श्वयायाञ्चरा'ले'द्रया'ळे' ह्या ह्याया है केव दिये देयाया कैयाया केव पर्या न्नित्र्यालेखा नगत्नमुन्युगर्र्था पर्खु प्रमु र्ज्य मुर्ग अर्क्षेत्र इ ही से में पर्खु पार्श्व । र्चरात्र कुत् शेषायत्र हेट यो श्रूया पते श्रुत् अते पश्चेत्र श्च्रूप पठ्द कु भेत्र पु 'द्र अ'र्चे 'द्र । प्राव्य यट्रियायार्यट्रावस्यायास्यायाः भ्रीतायावस्य स्रम् शु'पहेन श्चप'र्क्षग्रायां अर्केट 'पहेन हेंग्रायां पाट' अर्ळअश'ग्वर'प'र्ए। र्गुर'ग्र्र्भ'प्वे'प्रुदे' भूर वयात्रया क्रम होया श्रम्या ग्रीया गम्य यम विचया यन् तर्विन विन प्रकेष भूग ग्री कुष्य प्रवेष न्या वरकेव कें व वियाधराय व्याषा याष्ट्राम्या रेव र्रें के लग्नात्र्यानु न्दान्य रुषाया र्षेत्र अते र्ह्मियाय रेअ ग्री प्रशेषाया मात्र स्वाया ग्रात्र होता रे

प्रविव अ कया पार्रा में याशुका प्रवर् मुते विर्वा शुः हे 'पर्दुव 'ग्रेंग' अर्केग 'गे 'प्रिन 'पक्क 'गर्रें 'पें ग्रुंन 'परें ' न्याद्वित् स्राया रे रे प्राया विया प्राया विया सर्दा क्रेट्यायासुग्रायोग्यायास्यास्य क्रिट्यायास्य म्राज्या क्रिन्स् हे न्याया नियान्य स्वारी नियान्य स्वारी विगा गिनेर अते ध्रिंग्या वया ग्लेंट केव हिटा विगा गर्डें र्चेर ग्रुर प्रदे चर वित् स्थय श्वाय प्रयो स्रोत्रा स्रोत्रा स्रोत्र स्रोत्र स्राम्य स्रोत्र स्राम्य स्राम्य स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्राम्य स्रोत्र स्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र स्रोत्र न्रम्भगराये थेव न्रव नेव ने निव में निव सेया <u>7.57</u> गुनाराते म्याया अर्वन याना श्रुयाया त्राया स्वाया स्वया स्वाया स् कें कु स्या मु कें श्रुप भ्रप्या कें कु प्राप्त प्राप्त में न्र'र्'प्रप्रा थर'सूर'ळें'ळु'त्नुअ'पर'धुग'

अर्केन् अर्हन् प्रायाने अर्कुन्यान्। श्रुः स्वार्हे ने रटा चुँव संस्व अत्व रेटा पश्यापा वया स्वा पुः येवषा न्ययाश्चर्षाश्चरार्श्वरार्गेनाश्चरार्थाकः र्श्यायायात्र्यान्य न्यान्य भूययान्य न्यान्य । व्याप्ता व्याप्ते व्याप्ते व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत अपिर निषर र्वेष पार्डिया अपिर क्रिंव अपिर प्राप्त भू यहताः भ्रेन्या वियानविन् छेटा भ्राम्योधारम् वार्या यहिन् पर्यान्देशसुर्याग्येंप्याक्षान्य विस्थान्य स्थान्य स्यान स्थान्य स्यान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य न्युन्। इयार्अविन्त्र्न्ययाञ्चयारेवार्येकेवया र्से तर्विया प्रविद्या भ्रायायाय या व्यापा केंद्रा पर्दे । हाता अकूटारा व्रिथा प्रिया योशिट्या येथा हूटा यर वर्षान्वेन्षायागृह्याय्याः देशस्याया ग्वरागीः भे 'मेंग' कर 'प्रप्राप्त प्राप्त या वर्ष 'प्राप्त या वर 'प्राप्त या वर्ष 'प्त या वर्ष 'प्राप्त या वर्ष 'प्राप्त या वर्ष 'प्राप्त या वर्ष 'प्त या वर्ष 'प्राप्त या वर्ष 'प्राप्त या वर्त या वर 'प्राप्त या वर 'प्र केषायह्याबिटान्ना हेना ह्रेटारोगा

तर्भाराते ग्रुपा मृग्याश्रुणा गी दें र दिया पर श्रूट रू पवगापा कें कट कुव पवग प्रच्य के द्राय प्रमुव श्रायविर्याया निर्याययाचीत्रित्रात्र्यायाः स्वतः त्रात्रा विष्ठेष्ट स्वी सर्वेट स्वट स्वित पर गुरा भ्रमास्व गुःर्भेन अपवाद रेषा र्घा अर यह्याञ्चित्रास्य गुरुप्तज्ञात्त्रा वराङ्गेराकुया र्या ।तस्यायायाध्येन् प्ववेत प्वित्र स्थित् स्याया वर्त्र्र्या ग्राम्याचर्रेष्ट्रायर्त्र्र्य श्रूम्यायी प्राप्त विया प्राया अर्केन पेंट्र प्रथय ग्री श्रूयाभ्राप्ययाकेराहेप्ति नित्रित्रीयार्देयातहेवाव्य न्ग्रेन श्चन्त्ये में स्वर्पन्य त्या प्रमा हिंग निया ग्राह्म प्राप्त विव के त्रार्य प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप गुट्रायार्थेट्राय्य भूगा गुर्गा वेग्रायाया

नुषात्रमुर र्षेषाषाग्री भ्रानषा ञ्चाळेवा बेरळेवा अपिषाश्चितागुवाश्चेषाधिताङ्गेवापिता वावषाग्चिया स्राम्यहित निर्देषानुस्रकासम्यास्य स्राम्य न्याः श्रम् वियायां त्रेयायाः कुत्र कम् क्रम् यम् रायस्य यट'ट्ट् क्ष्र'र्स्च र्स्ने ह्यात्यात'य'ट्गेंब्र'ट्ट्ये ह्या र्ट्यारे त्यया गान्त न्या ये गार्या भाग्या मेराया सेरा सुरा र्वमाग्यून्याप्य हैं नित्यमाञ्चेत होता हैं मार्थमा न्न। अपतः क्रिन्यते केंगात नेवा में नाम् समा गुट'रेअ'पर'विव'क्र्यशर्वेच'प्रते'क्ष्रणविवाषाप्रा अर्केंत्र स्वाध्य केंत्र केंद्र अट र् प्वाया गुट । र्वेग्। मु वट प्टर ग्रायट प्रते द्वा वर ग्री भ्रायया यातह्यायाने अञ्चित्रा

नष्ट्रव तर्ग्वेते में व हे क्षेत्र अर्ह्म प्रति र्ख्या अम्। द्रम्बी'ग्राप्त राष्ट्रम्बूर्य विद्राप्ति विद्रापति विद्र ग्रम्भागु पूर्वाम। गर्यट्राम् गर्यट्राम् ठ्या अष्ठिव पायश्रव पाये के अषा वर हे अ कृ पार्ट्टे न विषायि अर्बन गर्षेया ने नष्टे प्राप्त केन वया वरासेप्राच्छेव विषाप्ति अर्छव छणाया दे वर्षा है 'तेन 'ग्री' ग्रायम 'श्रीग श्रुन 'घन्य' ग्राव 'चनुय' र्कर पश्रिम प्रमान्दर प्रमासक्ष्य प्रमान्दे निर्मेश त्यन्'यंकेव्'र्येष्यं अर्ने कुन्'यहेव्'यर्ठेष'यान्' ग्राय्य प्राय्य अया ग्री श्रीय मुंचा मेव प्राप्य प्राय्य ययार्कें के बिगा वे यव ग्राम्का अमाम् विकारी मि यादायादारम्बर्भे स्वर्धे के अया में यादायाव्य र्कर रे अ' तक द ' पा के ' अदत ' पर ' च द ' चे द ' के द ' पति ' क्रिंगांगुं हुव पार्वि वया न्यापते हुन्यान्य अर्केषा वया

युः में प्रयापायव कद में व गाने र सें सें ये रे पार्ख्या पविव 'भ्रेंट'पर' अर्ह्ट्'प्रश श्रेंच अते 'र्क्षेष्राया गुट्र ह्येर नुद्र कुरा गुरोबस्य देव दें के क्या पा गृतेया था नम्बर्धन्यन्त्य भ्रम्भ्याम्यम्य न्याः श्रम्प्रम्यं अर्ग्यायाः ग्री स्थाः मुर्यापाः यार्ने यात्राः ध्याषाः रेषा प्राम्या में या या न्व वषा के अरतः प्राये । र्नेव ग्रीयावयार्श्विच गर्डि ग्रयान्ययायाः भ्रुप्ते प्रिकेव नगा नेषा रेव केव 'र्सेग्या रे 'भ्रान्य ग्री' विया रे 'व्याया ठ्या दिराक्षे भैराये आपवाव विषय प्राप्त केरा व यु'अर्क्रेग'श्रुया वु'येक्ट्रिय'ग्रीचेअ'र्देगा धर'ग्लुट' न्त्रं रेव र्रें के। या भुन्यत स्व र्रें न न्त्रं वा न्यंत्रःश्च्नाःन्याःन्याःभेग्राश्च्या ग्रायाःन्यन्याःश्चः गिनेर'न्नर'र्थे। क्षुव'ग्रुच'ह्नेर'व्रच'त्रुच'त्र' र्शेग्राषाकार्यार्म्य क्ष्यां मुन्या न्यायाः

ग्रम्य केव र्ये भू सेट पर्ख प्रवेष पार्ट पर्छ स्था शेर्मु भ्रेट्रिप्युप्प्ट्रिप्युष्युष्य यर्गेन में में रायवत यय। भ्रमा स्माराम के में रे'र्चे'केते'हे'प्या'त्र्प्याशुक्ष'र्ययात्र'तकुत्' क्षिण्या क्षेत्रात्राध्ययाष्ट्रम् अप्रिवाचा प्रयथाक्षेत्रा र्से हे प्या के केया वा के प्या के किया है । स्था किया है । स्था के किया है । स्था किया है । स्था के किया है । स्था के किया है । स्था किया है । स्था के किया है । स्था है । स्था किया है । स्था है । स्था किया है । स्था तसेयार्शेग्राशा हिं वहाय। हार्ग्वावार्थेया नाष्ट्रवाया र्यामुषा क्षापर्व्वार्यम्यामुषास्वता च्या यपार्वे 'से 'न्व केव 'र्ग से मान सम्बाधन केव 'गुस्य रास्त्राक्षण्या र्रेरावटास्य कुया पार्स्याया द्वीः ख्याया हुंगया हूराश्चेय निर्मार हेंगया चया गाःश्चरायः विः स्वायः र्यवायः नेः स्राचयः चव्यायः पाययः र्वे के पित्र केव अर्केषा म्लिटा वह के प्रथा है ग्र्याप्रभ्रम् प्रति । अप्रह्मात्र्यापार्भग्राम्

त्युरक्रेट अते सुँग्रायागुरा अर्कें व पष्ट्रव तहें व भ्रेया अर्क्रेगार्भेट्राशुग्ग्यायायायात्र्रअयात्ट्रा द्योप्तिः पर्वेषाग्वेषा देः विष्ठ्रायाया केषायात्रय कुट्। गुधुट्र्ट्रिंव्युग्रायायदिवायाः कुंव्योः रेया शु'अ'कन्'पते'र्श्वेन'अ'ग्नम्य'ययात्र्य कु'र्नेन्'ग्रे' न्ध्व कव अन्ध्य प्रिंग गर्डिंग नेव में प्रिव अन् कुव बेंकिन्यायत्र्वायार्कन्यज्ञान्येन्यायार्वेषाया न्यायक्ष्ययायि क्ष्या श्रीत मीत्र योगान्य । विव क्रियशणीयायवियायार्थयायायीयायीयां विष्णिणीयां विष् क्षराग्र्य केंद्राचमुत्गी'तकेट'च'यद्रार्थ्याम्य अर्केग् 'न्यव 'ग्ना 'यत्र दे दे शुर 'न्र दे प्राय ग्रीय अर्कें व ' के ' के का गी ' क्षें का पा ग नि म व का के मि पा का के मि का व्याप्त्रं चु पन्दां में मुल र्येते स्याध्यापत्रा ञ्चनापरानभ्रम् पास्त्र प्राम्यम् वर्षाप्राप्ते श्वन्याया मुन्

क्र्ययार्या केया हे 'रूट' तेट्' ग्रेया श्रुपा घ्रप्या गुव केव व्यंधे पश्चाय अर्दि भ्राप्या गिर्ने र अर्दि प्राप्त गन्स्रम् सर्हिन्गी विषा स्रिते त्रक्रम त्रोंन् नगम ळग्राहे'तरी'तेर्'व्याग्वर'वेर'र्पर'स्थ केर हे पर्टे केट वया द्वया यावव द्वयया या न्न्रिंद्यो कुव स्थान। नभुभार्श्वेट न्द्रावा नर्गेन्। धेवाकान्य वेटा श्रमानर्गे कु र्रेग्यायाया अध्व क्वें र याट द्वीय यावट प्रते प्रप्य के न्द्राप्ता स्वासर्गित मिट केत प्रित्र स्वाधन विभागश्रीटालयायदी क्षेत्रात्विटा है। व्यापिताया हेषाईस्यापाने। गर्डं पॅरासईपाकेन स्वरापि। नेतर विगायावयाययायवी प्राणिया ने यहिंदा स्थि। ब्रेट प्रमण्याद्यां या क्षेत्र मुक्ष पा के प्येट ग्री बुर यादर

बेदा न्नायाद्याप्ये प्रमेषायानेव क्षयायोः गर्यन्यम्भायवव नभुरायानेव ने स्वाप्त्रीयाया अट्र विवाश्चित्र प्रति भ्रान्य शु। गुर्व विवाश भ्रान्य तह्रमान्नुह्रामान्नु न्यान्नेति प्रमान्य । ग्राचिग्रार्भेर्भ्यास्य स्वास्त्र स् ठेट केंवा हो कें केंदि प्राय कवा वावट पा क्ष्य प्रायीवा पान्ने विवार्यम्यायस्य प्रम्यायस्य प्रम्य र्स्य र्स्स्य र्स्स्य गिनेर'न्नर'र्थेश कुन्'शे'गुव'न्तृश'नश्च'न'अर्हन' भ्रायश्यामा विष्युष्य हे तिने विष्या था चुला हे 'तर्ने 'तेन 'धेव 'पान्गम क्या 'तु 'याद्यला पा क्षराया ने न्या इस्रा ग्रे मिन्द्र हे प्रने निन्गे ग्राह्म केंत्र केंद्र केंद्र प्रवृग्या पार्य प्राह्म प न् हैंट सर वेट श्रर रेंट केव नकु गर्स नव्याय

मिट्रम् अव यायट अर्हेट्र नगाय ननय नित्र पर्वेग्यारापुं ग्रीट्यार्क्ट्रापुं ग्रीयरा स्याभ्रीयया यु'तर्चुन्। श्रुन'नश्चन्द्रंनिन्द्रंनिज्ञुन्'ग्रे'ग्वुन् यान्ययायात्रान्ययाताः भूर द्वियायाः भ्रेयाः पेन् पर् বভমাবৰুগামার্মা वर ज्रूट पर्सेट वयय ग्री केंग्रा क्रू प्रश्रेट के हि सूर ह्येयानते र्क्याने। गन्याना तर्ने नेन निष्ठान नन्ग्रायायाये में मार्केषा क्रिया स्थित स् न्गॅरः ह्यन् गान्व वया या यहिन गुरायनराना ग्रम्भाष्ट्राचाग्रम्भाष्ट्रम्भाष्ट्रम्भाष्ट्रम्भाष्ट्रम्भाष्ट्रम्भाष्ट्रम्भाष्ट्रम् שבישביקיקבאיניתקקישקישביקישאיפקי ग्वराधेव पुः कुपः र्वेराधार्थे र्वेराध्या के प्राप्त प्रा भु हेव ग्रोरेन चर्रापे व लग्या ग्राप हिंद ध्रा गतिषार्च्यान्ना गर्यन्ति हेन होग्यायान्यासु हो निवे

पर्रु'भ'ते'परि'श्वम। विषायाप्टाश्वमायार्थ्यषा पते प्रेष्टे मा क्रेंट स्वा याते वार्ष्य ह्या श्रिय । ग्निन क्रेट यो अर्केट क्रेट केत्र केत्र यार्द्ध प्राच्छा स्वा श्रुवार्ख्यायारोत्र व्यवस्यायायाया ने न्वा न्व्यायायावया श्वापट के कुट न्यु यासुया र्ख्या नर्गेन् भेग्रायायायावेन्याकेन्य्याचे अर्केन्यायर्ष्याया यावयायावियाययराविनया क्ष्रिंयापायायर्दिएगुटाध्यार्केत्रार्केट्र्याचेटाट्यटायीया हैंन झन तस्यायार्यन भ्राचयान्येन यावयान्यया गुन्केर शुरापा इस्राया से हैं हिन् व्यागुन न्वें वारा के कुट प्टर पश्च पाये गवट है व प्टेंश ह हैं ट स्यायाश्याक्ष्यापान्या कुर्निन्गुः सेन्र्य केंत्रा मुला शे प्रो मुला र्सेन 'स्यत्राता अध्व 'र्सेन'

अर्ह्न प्रायायावन प्रायायाय निर्मा विष्या मिन ग्वरार्भेर कुट्'ग्रे'व्यथागर्भेषाग्वर प्वेट्य ट्टा अर्केन् मेन्यां गुन्यात्र वियात्र मेन्या स्वायायात्र संस्था यह्व ग्री विया पर्सेषा त्या ग्री भें विषा प्राम्य तसेयापते प्रमात देव क्रम्या र्यं के क्रम्या प्रव र्क्व ह्यायानहीं निते हेता प्रवाहिता वार्या होता हैया न्रेंगाहानी स्नाप्याही श्राम्याना ययागी।पर्विरार्थाययान्स्ययापिते।स्रिते।स्याधरा अर्देर'पश्चरापर्दे। हे पर्टे केट पि वरे जिट केंग शु शुर पा हुव केव वटायी द्रमाधरादी यट्याख्य हिंद्या गुप्ता व्य तह्रवायार्थे के स्टास्टाय्यायार्थं याप्या वेटा गुपा पते द्रमाधर में अर्कर प्राप्त प्रमुद पा क्रिंट विट त्यें

षव ञ्चिताराकार्तर छेटा गुकाराम छ। परि खुकार्वि व यश्यायत्यार्थेत्। यर्द्राञ्चायाग्री'पञ्चत्रायाः প্রথম ত্র্বিষা বাষ্ণর 'ব্রথম শ্র্রিষা বা ঝর্লির 'ব্রথম শ্র্রিষা বা ঝর্লির 'ব্রথম শ্র্রিষা বা ঝর্লির 'ব্রথম শ্র্রাম বা ঝর্লির 'ব্রথম শ্রেম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর 'ব্রথম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর 'ব্রথম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর 'ব্রথম বা ঝর্লির 'ব্রথম বা ঝর বা ঝর 'ব্রথম বা ঝর 'ব্রথম বা ঝর 'ব্রথম বা ঝর বা ঝর 'ব্রথম বা रेषासु'स'ळ८'पदे'पष्ट्रव'प'छेल'वेट'गर्गर्भेट' प'वे'हे' वस्रारं रूप सिवेद 'य' विषे के प्रारं के प ग्री क्रा शु ग्रा या न्या ठव ग्री हिंद्या शु ह्री न पक्रुप्गी भेष्य केव र्ये पक्षप्र गुग्यायाय यावत श्चित्रक्षायाश्वराग्वी प्रयाद देव यथा श्वरापा श्वरा क्रेट अपा हैं में हैं न्यय स्व आ है निये प्राय ब्रियाक्षाक्षायत्वाक्ष्यायात्यात्यात्यात्या ययाचुँव पायान्ययान्याययात्रयात्र्यात्र्या या नगात निवे नकुन प्रते गान्यया नगाय स्था न्यायायायायायायाच्युन् के'निवे'कुन्नम् नगत नकुन कुन वस्य उन ग्री कुय में नियय त्रागु तिर्म्योते हिंग्या रेस हैं हिते इया ति हिंग स्यानु पर्ने वार्षे स्याप्य या स्याप्य स्याप्य स्याप्य केव 'न्य'प'र्यन्य कुर्यागु 'नगत र्श्वेय 'न्य केंर्य स्वा' नष्ट्रभ'वि'ग्रेट्'यव'यग'गर्डेट्'युय'ट्ट'नठर्ग'या ग्र्याकेव कें मुव पाया में है पर्व्व केंबा प्रेंबा कु अभायार्से हे गारायायी पहेन श्रुव श्रुव स्वयापश्रुद पा चर्यायाक्य कर् रहेट हेंव ग्री श्वाया होया या तुर्या पर प्रविग्रवारा स्वयाय कें कें त्रवार प्रति केंद्र बेर्प्यश्चित्रप्राचिर्द्वर्या र्येषार्शेर्भेते तिम्बान्मान्मायन्यान्यान्यान्ने क्षरायराष्ट्रीत मेंया में रेया पार्कटाया अर्देराया ह्मियारायरायायय छिटा। टे.ट्यायययाराया ह्या

तर्नेग्रागर्रेन्'प्नि भ्रेंग्राप्राश्चारानुग्रा प्रवेषाप्रते भ्रप्त्रा इस्राम्यु प्रदेश तुस्रा है। यस है। र्मग्राप्य तस्यायार्चित्याययाश्चा धान्याकुरा न'बि'र्ह्या यावयायाशुक्ष'ग्री'कापत'त्र्मेति'र्क्षयाया ८८.७.वर्षेत्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र रे'रे'लदर'न्या'पदे'यांचेयाया भूर'अवद'ययागुर' सुंग्रायायक्ष्यं र्यायया वयायाच्यायायर्म्य नेया त्यानु यायद इस भ्राच्या सु । यद सु । यद । र्रे या पा दे । र्वमांग्रेमार्स्यामारम्य सुरायान्या यार्वः र्वराविता ॸॱॸॹ॒ॸॱॻॖ॓ॱॸ॓ॺॱय़ॱॻऻढ़॓ॺॱॻॖ॓ॱॡ॔॔॔॔॔॔ॱॾॖॻऻॺॱॺॖॱख़ॖॸॱय़ॺॱ तकन् र्हेन् र्हेरा ग्रासुरा ता कपारा र्हेपारा रा राकेरा निट्रत्युयापते प्रेम्याप्त्राच्या म्या भ्रम्या स्वास्य

हेशासुप्तहेंवापरासर्द्रापावे वरायो स्थाधराया र्वेव र्डवः क्षेत्राप्ते । ह्यत अव ग्रायद प्रति द्वारा हो हो स्थारा पश्चेत्रप्राञ्चेत्रप्रमाण्याण्यप्रमाण् श्चेत्र पति कु 'यम प्रात प्रात प्रात केत्र 'र्ये प्रात्त यो ' अटत प्रत्या मु शुरा भे। श्रुप के व व हिंद कु थ वर्चेरपश्चर्वातेर्थः न्रम्थः न्रम्थः विष्रुविष् नत्व नकुते लें वित्रा सु अदे विराय या न त्यू या वी'र्लेश्वार्त्रेषाग्री'रेवाषा'त्रहेत स्व'षे'त्रश्चवाषा'विस्वा न्यतः चेते अर्ळव मण्या उव द्वा कुरा चेता चेव नक्षन्याय न्याय न्याय न्याय स्व अर्दे भ्राया ब्रेट हिंचे अ अ फ्रिय होत पक्षप्र प्रशहेंद्र ग्रायश श्रुयापते में हो तहवा प्रायाश्रुयापा व्यापता

नन्या योषः होत 'नक्षन्य केषा ग्री'न नेषा या तेत ' वियःश्चित्राक्षेत्रप्रेयान्यात्वितः हेवेयान्ता ह्याया क्रेव इंग्रीश्वा गुंश्य ज्ञात्यात प्रमात व्यापात व्यापात पक्रुप्'प्र'अ'कप्शचप'र्से'प्रेस्स'प्रेस्ते' यानेम्डथरायानेम्ह्रास्यान्यानेम्डर्याञ्चर श्रव र् 'नकुर 'रा'षेश्वगाय 'चनष' चर्व 'ग्री'कु'र्ने ' व्रेश्वरत्यत्याः ययः श्रवाः भ्रवः यय वर्षः श्रेयावाः त्राम्भ्रव प्रति पर्द्र केव के के कि कि का कि विष् स्याप्राप्त्रप्रहेरेयार्थयायापाप्यप्राप्त्राया य्यत्यत्यत्य वश्य वश्य वश्य वश्य वश्य वश्य विष्य क्षेत्र अर्हित्रप्रः हेते खुट वोषायट यहग्राया क्षर्यात्र्रम् न्यूर्याक्षे न्यूर्यात्र्र्यं पर राषा मु । परि । केंबा पर्दे । वि । स्टा पर वा । परि । सूर । ळ'य'स'यप'पज्ञ'र्तेन'तु'येनष्ट्वेनद्राच्या'रे'सुत्र'

ळग्रापिते वट रुष्ट्रीव प्राय भेव पुष्ये स्थापित ब्रिंट् व गु र अर्के भ्रेष हैं हे अवत तर्वेते र्केवाय ग्रेष नक्षेत्र'नते नर्गेत्रपारुव अह्या न्गेत्र'न्य नेव ग्रेश'नक्ष्मर्थ'मेट'नद्वे'न्नर'न्त्रम्र'प'न्ट'नग्व ববষ'ব5্ব'বভূদ'বন্ধ'দভ্যাষ'দভূদ'ক্স্থান্ম' श्रुभाराते अधर श्रुव से सिन्मार्या राज्या है। गर्निन्न्ते सुया ग्रीका का मिना वहें वा पति हैंगा प्रायान्त्रम्या मेगार्ह्रम्हेन्यम्यम्य यत्या क्रिया गुव ग्री प्राप्त । विया ग्री प्राप्त । त्रिंर'न्र'प्रक्ष'पा हे 'तेन' त्रा हे अ'प्रश्र हुग्र थेन' न्छेर सेन प्रदेश प्रदेश स्था न्या निर्मे के कि कि कि कि कि कि मा न्यायो याव्या श्याया था सम् प्राचीय । या विवासीया या विवासीया या विवासीया या विवासीया या विवासीया या विवासीया वैरापराशुरा देश्याषार्श्वीयार्ग्ह्यान्त्रानुः गुरु रेव र्धे केर हे ग्रंचेग 'मु ग्रंभिय प्रम्य अर्द्र प्रदे

मुव 'यया अर्दे मुद्द 'यायर द्वेद 'यगाय 'या हेर द्वेव ' ग्रिया मुना निहेत् 'न्ना निरुषा पार्य प्राया वाषा ह्राया ८८ कुव भेव फु ८ गाँव पा इससा गुर त्या से से प क्रेन्वराष्ट्रवरापविषान्नात्वराष्ट्रवाष्ट्रवाष्ट्रवा पते'से'र्न्यक्षट'चक्क्य'चर्स्'हे'तळट'व्य'ळेंग नकुन्नराथ कन्यये सेन नकुन्यो नगयि नगयः नन्यार्भेन्। ।नेप्रवार्भेर्न्युन्र्योप्यायः नन्यः नक्रेशःक्ष्यः यदः नगुदः संग्वर्रः स्थाप्यः प्रवाधिः भ्रदः नरकुष्र से हे षान्व ग्री गोदुर्कट रेअ प न्यु पते दूर दु मेर्या स्वार्येषा अवस्य सेम सेम र्षेत्रायां वी वक्तायं वर्षेत्र वर्षेत्र केवर्षे तह्यान्ययानेषायानेवायाहे निते र्ख्या उव भूते गणयाग्रीय मेंगयायाययायटार्गा पश्चितारा विवार सहयापायागुरापाळेवार्येषापपुराखेटाग्रेंया

गन्न अर्हन प्रमा गर्धेन स्थित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र प्रमानिक वर्षा देनेन्द्र प्रवाविषावयान्य प्रविष्य पाषान्त ने'अर्ळव्'नेन'ग्रे'र्ळेष'व्यष्णं'रुन्'ग्रे'नगत'सुन ह्यायाना ध्रेयायान्या याध्या हियाया वया ह्याया नम्राविगान्नम्यान्त्रवाराह्मग्यायाक्रवारीहिता रोम्रा हेर यो में निर्मेर के में हिर के मानु प्रमा ने नेन्-नत्र पवया वया न्यान्य प्राप्त या निन्न प्राय्य ह्यायार्से हे हे वियापते र्ख्या ही निम्यापर स्वायाप केव 'र्रे' शे 'ग्रुअ 'ग्रे' केंग 'र्देव 'ग्रेव 'ग्रुव मा श्रिक 'श्रिक 'श ह्यायाराधिव यासुरया सुर पष्ट्रव तयात वियागुर यह्रीत्रायात्रायात्राच्यात्राच वर्षा है 'तेन' श्राधिया प्रयान्य 'ठेगा स्याप्य 'छें में गा पते में में में में प्रायम्ब में प्रायम्य में प्रायम मे

धिरायेपषापिते कें भ्रिंत्र एं त्रे केता पे त्राप्त विदा वर्गापते वरार् प्राप्त केरार् विग्राया प्राप्त राया पति'खेषास्ट प्रेंबाओप् प्रश्वाचायां व्याची'यां यां विष्यां विष्यां विष्यां विष्यां विष्यां विष्यां विष्यां विषय धेव न्नुवाराते र्दि गी न्नूर यवा बेर सुर रा मुह लेवा प्रयास्त्रम् अप्रयास्त्रम् स्राचास्य स्र तस्याग्रम्पान्त्रेटार्गिन्ते पक्ति प्राणे नेषान्नम् ध्रुणायषातन्षामा अर्ने धी क्षेत्र में या ते । पक्रुट्रायायवा क्षें कुव्याप्याध्याद्रें याया अपित तर्गे हिट विया यो केंग हों र हैंया या प्रमा गुव अष्ठिव गूँ एकेव पायश अपित तर्शे हिए विग र्शेयायाः ह्रेयायाः केवायवा म्या होते वि न हुन्यायवा तर्चेशक्षेत्र पाक्तियात्रेय तर्चित्याव्या स्वया हैं में नगत ग्निस्य प्रति ग्निह ग्निस्य प्रिंद्य ह्मियाराग्री निर्मित्र प्राथन। मुंकेन तर्भियां भेरत्र।

न्न या प्राप्त विषया कुता वर्ष्या सुरा वर्ष्या सुरा विषा सुर श्चित्र श्चें अर्थे देशयात्र यो में स्ट्रिया यो नेया प्राचित्र प्र गुर्रायम्। कुर्प्तिन्तिः ते पकुर्प्तु ग्रायम्। याकेवा पश्चित्रां स्रापास्त्रत्याग्वाः विषयापापन्त पठरानु पर्मु प्राचायम् हैं न्या अर पार्थे हूं न्ना र्वाकेंगभारें हो यया गुर्देर संसुन्यर ख्यायागी'नम्दार्थयाने'नकुद्रापक्रेया ग्रुचाकेवा वट मुल लग देवा मु त चूट पते सुप विप श्वामा नेगान्द्रभूषायाध्याकेवायुषा र्यगात्र्वा गुंकेंगंनुगंनठगंनेंन्नुनंनुगंन्युनं الآكرير، الأمري المار المار هِي الله المار الما ग्रम् ग्रम् ग्रम् क्रम् प्रम्य क्रम् भूर.८८.४५.५५८.भूर.८४.८५.५५५५

नरुषाने नमुन्यायम् यायार्च्यायन भूतायम् गर्रेट्राध्यामी प्राययया के प्रमुद्रात्या या क्र्यामितार्ययात्रियं तर्भितः तर्भितः तर्भाताः तर्भाताः तर्भा त्रायिरार्च्यार्वार्केरार्भ्यात्रेयार्थे हे रट विट है हे टट श्वा वेंच क्षे भुव पायय पश्चेत्र श्चेत्र ग्री प्रमाद प्रप्रमात हे पश्चेत्र प्रमाय व यत्यामुयाय्यत्याययाञ्चातस्याययात्रेयात्ता रेट्र अट्य पार्विव वु क्लिंग्य भाषा प्राप्त वा वि गतेषा श्रेंच प्रेंच गायाय में यया प्राया मुन सं त्रम्या त्रयायाया र्घ्याया सेताया सेता स्था से व हिते हिवायाय मित्र पठया ने पक्षित् पुरा नगाय थें म्यार्थ ग्री है। ने न्याचे में निवेद हे सुम याषाद र्ख्या द्या हु र र र र र र

नरुषा'विन'नर'क्षा धर'केव'र्के 'र्न्निप'राष्ट्रीव' रेव र्रे के वया पश्चिषाया प्रति अष्ठिव पर्स्ते प्रणात नन्यांगुंदिगार कवा में अर्कर वेंर सुदे सेट न रु तर्ज्ञा ने नक्ताने प्राण्यायम् भ्राम्य भ्राम्य भ्राम्य भ्राम्य क्ष्य त्यात अक्ष्य यावि र्थ्य प्रगात प्रप्य याय र श्चिया र्'नव्यया कुषापांचे। यान्ययान्यां अर्हेन्ना क्रिंगुव प्रमुषा श्वाप्यागुव प्रमुषार्थेग्या धेव। ने क्षेत्र वर्ग कें ने कुन नु निमाय प्रायम्य परि न्यायो श्चेत्र स्थाप्तम् । यादे श्चुत था । न् भ्वाप्ता प्रविव प्राष्ट्रे प्रगाय व्याप्रगाय पश्चित् प्राय व 774175 गितेषापाषागिरावे भूखुटात्षावषाणपागिवेषाग्री यावर्षाःच्याःवियाःवर्षाः सःयाशुव्राःचिद्राः यावेषार्षाः तत्र्षाः

पते केंग क्रेंन पत्रमा पर्यमण्य क्रियाय सुप्रियाय । भ्रम्या अप्रतः तर्गेति स्याया उत्र विया योषा क्षु केता विगापते स्वगास्य प्रह्मा यहेगास्य प्राप्त ने यस वियायाक्षेत्र रोग्रया नेत्र नियायार्थिते रेक्या भूर निया ट्रे अट्रगुव ट्याबाधटायाहेर ट्राञ्चबारावे न्ना ह्याबा गरुग'गे'गर्ट'क्रम्'र्ज्ञ पर्राचिम्। र्रिट'र्भ' न्गर्भे भ्रमार्क्रमार्क्रा व्यायाञ्चन हैं हे न्या स्था विता ब्रैंस ग्री क्रायिया हो में व्यायी क्रिंत स्था ग्राया क्षेत्रं में केंब्रं क्षेत्रं में त्राया विषा ग्राया केंद्रं वट क्षेत्र ट्रिंत शु गि हेर ग्री क्षेत्र तु विग स्यापरा ने'लयागु'द्वे'भू'र्क्न'ष्ठिन'तयग्रयाय'न्न। गु'द्वे' केंब्रषायषाञ्चयापति मेटा पश्चियापठषा व्वेषा

अर्थेर्प्ययादिं स्मिर्यो मुप्रेर्प्र क्षा मुंयर्प्रेया भूर गशुरा गवरा धेगा तगत विग पठरा पविश यन मंबेश गुः हिंद क्र च्या क्या स्याश्वा नातः तर्षाग्री क लगा है तनम्बा ने स्थित श्रुन वन्या पवेषा भूम्याच्यानुःसम्पूर्ण नेःभूरः ग्रे निया रूपः भूषा अप्ते क्रिया भूपः पविवाया पा निवायाः नित्। योनेराचन्यायोषार्श्चेताः भूषित्रत्ययाषाः नियाः स्या हैं ने प्रापानमा मुर्जे म्राचाया या हिन तस्यायाः भेयाः याने र प्रत्या योके र शुर पज्ञ नेता रे हे से अवया प्राप्त भुष्ठ तयग्राम्भेगापवेषा स्यागुराष्ट्रीपर्याभ्रम्यग्री यानेर भ्रें अत्यापत तर्मेश स्वा हिट में पावरा वया यर मुग मुं मुव रयग प्रथा वेर रव्या न्ना याव्याञ्चयायार्दे हे छिन् तययायायाठेया

प्रवेशन्त्रंग्रायायायन्त्रंप्रवायान्यः स्यायायाः स्या र्ट्यारे 'यया गान्त 'या तरीराया पार या गान्त 'या तरीरा ह्यायाञ्चराधिरायवेव वें रास्ते भ्रेराप्ता भ्राक्रा न्रेंशं गुन न्राया तन्र नरुष हैं भे कें र नु ध्व याशुक्ष प्रत्वावायाया अर्केया शुर्वे से दि प्रायाचाया नभूगः ने श्रुव दिन्या भेटा यान्व गायन। श्रुव स्त्रा श्चित्रभूर प्रविगाप्टर पे रेते श्चिष्य प्रिया स्वाय केत हो याशुका र्शयाया गुम् हो ति नि नि नि अर्केया हो म स्व मुर्या मित्र विव सेंद प्रमा स्वाप स्वा गशुरापाने 'अषा तर्सेषापते 'अपागिन में वि ग्यारायायार्येरागुर्देन्द्राये के निपानेर केत यत्याक्रियास्त्रितात्रास्त्रम् । सूरास्त्राच्यास्त्रया बिटा च्रीव 'ग्रीषा पङ्गप्रापादे 'द्या श्रूट 'ग्रुट 'प्यर 'ठव ' ग्रीलार्गे। स्रेलाने पाने राष्ट्रेता क्षेटा र्द्या ग्री। इसा वरा पटा

गानेर केंबागाट पत्याया घराया उट् ध्याया यायाया बिट'रे'र्ग'नगत'ननश'रादे'नगत'सुट'र्वेन'रा' स्ना ययाकेराष्ट्रराष्ट्रीयानेराष्ट्रेवार्शेर्शेषायदा गिन्र-ए-श्रमारादे निगारोर सम्माधी नेमायातः तर्ग्रेषाञ्चेत्र प्रत्यात्रयान्य स्वाप्त्र प्रत्याप्त्र । पश्चरापाद्या यगतावेगापस्याधेगाश्चरायमाद्रा न्रान्द्रिक्षान्यते सूर्र् हैं वा केट्रर् भ्रायश्युग्गु उ नेव में के निर्मा निर्मे निर्मा निरम् हेंव र्शे र्शेते सूते द्वापर पश्चर वर्श श्वेव र्शेत रहेगा ह्यायाशु अस्य तह्यायर्गित र्ह्ते में यायवत प्ययागी विशः श्रायविव यादायशागुदायाहेर हेट कुव कर्रायाञ्चारे र्व्याञ्चर वतर था अर्वव के प्रति श्वाका र्रेंश केव रींश यद व्यायद प्रार्थिय प्रार्थिय प्रार्थिय

पर'अर्ह्प'पाविव'यप्पानेर'वे'पक्रुप्'ग्रे'रेग्र मेन् मु अद प्र भेन् प्र स्वयाययाप्य प्र प्र स्वयायया ग्रम्भेग्'र्'न्व्याया र्व्यायिः यानेर'हेंव' यत्याम्यान्यते स्यागुरार्चेयाभून। मुःर्गः র্বি:ম্র'ঝ'নম্ব'গ্রিক'র্ম্ন্রম'র্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্মম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্মম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্যান্ত্রম'র্ম্নম'র্য্যান্ত্রম'র্মান্ত্রম'র্মান্ত্রম'র্মান্ত্রম'র্মম'র্য্যান্ত্রম'র্মান্তরম'র্মান্তরম'রম্বান্তরম'র্মান্তরম'রম'র্মান্তরম'রম্বরম'র্মান্তরম'র্মান্তরম'রম'র্মান্তরম'রম্বরম'রম'র্মান্তরম'রম'রম रोर गानेर शुर अपतः तर्गेरा स्यापा दे होराग्रायः न्यादे ह्याया केव पद्म मुल रिते केंया भूर मी रिया रोर विट क्रेयार्ड के गायास्यापिय पिरापिया में र ग्री क्रा भूर प्राप्त अपता तर्ग्रिय स्थाप क्रि मुत्र ब्रिट प्रति प्रगति तर्षा केषा ग्री कु अर्केते केषा क्रें र ख्र न्ये म्रोग्रायाया कुन् विग् ध्रुग् नु न्यया पाया होन र्रे र्या गान्त त्या प्राचित्राचा हैं कें भ्रम केंद्रे अपतः तर्गे ग्रायान्य ग्रायान्य क्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र ग्रायाने य श्रीय ग्रायाने य

गिनेर'न्धेश्व'यय'न्'यन्य'य। अन्त'रेष' येग्राश्वर्दे हेते इट र्शेट हैं अट गुव कु निगे पते श्चितःश्चेर्यायाय्य्या राष्ट्राचेयाञ्चवायाचेया पवट र्रोदे से है पर्टेट से दे के असे र जिया था शैट. स्यास्याचा दे से न्याव न्याव स्याय केव कुया च कु'अर्केते'र्केष'र्भेर'गिनेर'शुट'अपतः'तर्गेष'स्य' पते यदा या हेर। कु हैं व पज्ञ प्राप्त खुग यो ज्ञा था यदे अळ्या तिर्म्य लेति ळ्या भ्रम्य ही या हेर द्रो थे मेशायतात्र्यायाष्ट्रवार्वेराच्या पर्दुव 'क्रॅव' केंद्रि' बि' चेंद्र 'क्रें कें पद्व' चें] अव 'प्या' अर्केग म्नेट ग्रीय शुन प्टर हे में गारोर हे न्न अर स्था या ययार्गाक्षात्रुं ग्री प्ययार्म् र्ष्ट्रायते केंग्रा क्रीं र ग्री प्रो क्रेट क्रिंग निया अपित तर्ग्रेष स्थान। अप्त निया र्वेता के तितिता मी हैं अमीन यान्या श्रूयाया के तिर्देर मी

क्र्याभूर विटाभ्रेयाग्री अपाय तर्गे अया द्रो क्रेट स्या य। गणगाध्यार्ष्ट्रवार्षितार्ष्ट्रायायात्रीया श्चित्रांगुं र्वेगारोत्रायतात्र्यं र्व्हागाराञ्चताययात् स्यापते केया भूमा प्राया मृत्या मृत्या में मार्थे । त्तराष्ठी क्रा भूर में वा रोर वा नेर श्रूट अवतः तर्शेषास्यान। नष्रभागित्र श्लेट प्रते नगत नकुट ट्रेग्रायागाव तर्भाषी विगार्ये अपतः तर्श्या मु'स्य'नते कॅर्राभूम। गम'न्नम्'यर्थातर्धिम् पते प्रवाद्याम् श्रुपा व्यव्या हे 'ते पाया थे वेषा अवतः तर्शेषास्यापापठषाः र्वेषाः बेरायवास्यवषापाद्या यश्यस्थित्रीटायते'यज्ञागनुष्ठारी रावे'यज्ञारेगा वहेंव ग्रीष्ट्रम्थ स्र्यार्थे याने र स्र्व प्रवाश्य ह्मूट विया यो के ज्ञूटा थे ने या ज्ञीया ने या निया है ब्रेट्राये कें ब्रुच ग्राय्ट्राय क्राय्य क्राय्य केंद्र

गु'रु'अर्ळे'भ्रेश'र्हे'हेते'ळेंश'भ्रेंना न्ट्रायानेर'ख्यारा' केव तर्गे तर्मा र नगा या शे द्वार नरा इर कुरा म्नेट'राते'गु'रुते'ष्ट्याषाञ्चरातिर'रारट'र्ग्या न्ना मित्रा वि वि स्र मार्यम मुन्या मान्या न्नम् स्थायी म्ययीव नियाने याने यात्रा स् ट्रेग्रायागुरार्श्वेया हैं हे म्रीटायते मुखायगता तर्षान्दार्भगषाकेवार्षुं भ्रम्। देवाकेवास्निदारावे ह्मियाराक्रेव क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया विस्राचन्यम् र्वेत्र विष्रामा केत्र थि यो न्वा पर्वेर तर्भायमात्र्री म्नेरापते विगमा केव रेव गम्भा भूव यो अर्केग स्व अर्गेव रेंदि गतिव रेंप्स स नर्जुन कें गणन त्राग्यायाया के लेंन हेते हैन विगार्भेर पठरागी गिनेर क्रेट गी र्क्त पा गिनेर शुट ग्रेशास्त्रापते केंशा क्रेंना पठ्यापात प्रप्या शु

বৰুগ্ৰম্বাধ্য से से प्रविव ग्री गानेस विद्या मुर्ग पान्य। ने न्या यो वित क्राया है नक्ष्म न्या या विता पर इस वर केत कें प्राप्त प्राप्त प्राप्त कया र्शेग्राश्यात्व्याया यावव थट तसेट अर्गे याहेर केव नेषायपार्दिन नेया तहत केंव हैन पे हुगा न्याप्रयागृत्र भ्रीटापाप्टा न्रटागुराजुटा यासुरार्सेयाराग्रीरायार्केत्यानिर केत्यानिर स्व यार र्येते गाने र केंग ने पक्ष प्राप्त गाने र प्राप्त गाने र नन्यान्त्रेयापायदायदा देन्यायो देरान्ड्र पर अ कि प्राप्त विवास प्रसाप गाय प्रप्रसासीया मु'अ'नर्गेन्'ग्रुन्य'र्से। पर्वे पात्रपार्थे प्रमित्राप्ये गिने रावे। प्रमुत ग्रम्यान्त्राम्याञ्चेतात्र्यम्यम्याय्या न्ना प्रमान्यो मुयावया केया पर्देश केंग्याया अर्केन

भ्राच्यागु र रेव र्ये केया न रेया वया न स्वा न या होवा ग्रेमानक्ष्मण नम्माध्यास्य निम्य विषय । र्रे हेते भ्रुं क्वा अर्केन त्व्या अर्हन भ्रूप्य भ्रुं ने अर्के भ्रेषार्से हे प्रेर्णाशुः शुरावया चित्र ग्रीया प्रज्ञान स्टा गन्ययापावनापायनेव। न्ना भूराम्बर्धा ग्रे'ग्रायायट'श्च्य'अर्क्ष'श्चेर'विया'गे'र्क्य'श्चेर'र्च्य'रा' न्ना न्यान्यार्भाष्ट्रायाष्ट्रियाक्यात्राच्यात्रे बेन् धेन् प्रवेत प्रवित्र प्रवित्र प्रवेत प्रवेत क्षुन सहन प्रम तस्यायायायो पर्दुर्पते श्चाप्त्राप्त्र राष्ट्रियाया वियायवियायावयाचिव ग्रीयायक्षप्रया श्रूर तके सेर ग्रुपापते क्रिपाप्येव क्रम्या ग्रीमा ग्रुपा चित्र ग्रीमा नक्षनम्भागम्भेव वयातस्यामास्ये क्रिट वियायी क्र्याभूराव्याद्वात्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याभूराक्ष्र व्याभूराक्ष्र व्याभूराक्ष्र व्याभूराक्ष्र व्याभूराक्ष्र वियापष्ट्रव 'स्टिप् चिव 'ग्रीयापत्र्यया प्रयागुप र्वेप'

तब्दानियोग्यायर्ग्याय्या सुन विन नगातः नकुन्न्यग्रायायाये केंग्रा केंग्रा केंग्रा निमा गवन भर्भागशुका ह्वा अति ह्या तर्जेरा हैं। ग्रुअ'र्देन'ग्रायय'हेन'विग्'गे'र्केश'र्झेन'न्ठरा' पत्राषापायदे प्याचे कुत्ति प्राचे सेत्र सेत् प्राचे सेत् हेते केंगा मिटा कें केंते केंगे केंते केंगे केंग न्व्निष्यामेरामी स्थान स्थान श्रपाहेषाद्वावी |पॅर्प्रुविनाभ्रप्यार्गर्यप्रातु धुयायो अर्देर सेपश्पादि कें क्रेंब क्रेंपर्दुव केव पें विन्युकासुग्वानेवाकारावे वावकार्का हे सुर्वर हेका शु'त्व'व्यागिव'याप्यापा श्रे'पर्व्व'ह्रेट'विग' न्न। यन्र्निन्निन्न्नुन्योर्भेव्यव्यक्षाह्यासु इव्ययि कें भ्राचारी में दियाया नेया केट यार्टिंट

न्गार केंद्रे पसुन सेव केंग्राका सूर पर सहन है। त्यापान्याञ्चरावे। नगुरार्थापर्वे स्पादे स्नान्यार्के श्चरान्यार्सेतारहेत् श्चरासद्राभ्यमार्स्यान्यस्या रम्यागुःन्यासुःन्यापितः सूमान्यस् स्केरसेन् सङ्कारा नःक्रें खुवा स्ट्रां खेते स्वाप्या खनानगत कें न्यग बेट्र कुश्विचायो क्रिंस्ट्र कें धुवार्क् क्रेंदे गन्ययाभूरायन्य। गुवायष्विवार्ग्या केवापयाहेवा शुंन्जुट न्यां ग्लॅंट केव हेट विया यो न्न श्लून विया थेते पते भूट पर परे पा ठव मी हो ज्या पर्वे या प्रेयया पते विट न् याने र केव अर्केया म्लेट ने न जुट कुन रोम्यान्यतः यज्ञते शुंगु विषायते भूर पव्याषाया नेते भून वनमाभू गसुम रेगमा तर्मा गुरे के में र यन्या ने'न्या'यीयायर्केन'ने'स्ना केन'से'न् हैं'

गीते द्वेद विवा रेषा कें भ्वा प्राप्त मात्र प्राप्त भी भी जिता यथर भ्रेय। यर्यायायरया मुयायी हो नर्वराष्ट्रवर्षित्वे नग्नित्यात्वर्षेत्र बे'भ्राञ्च'न'गशुब्र'पदे'व्दःह्दःव्दःवद्गन्यदेगवा तर्षापते से ज्ञा प्रत्यावाया प्रते व्या विवा वहेंव 'चकुन'गु'रु'अर्ळव 'चकुन'गुे'र्स्थ'र।'न्न। ग्व'तर्यापञ्चार्चर सेट स्वयार्स्यायायक्षया न्न्यासुगन्वयायायाया कुन् हु। तस्यावे वि श्चराळेव पगाय पश्चर ग्री गव्द गाद्यय प्राप्त र् र्शेर ग्राम्यत्। र्शेन प्रेंन केन पेंग सुर छान् प्रमा ह्यायाक्रेव आरेते यान्ययापा स्ययाग्रामञ्ज्य

न्ययायानेवाहेते। ह्यायानेया ह्वान्यक्रमा र्रेश प्रेंट विगा व्रव पक्रुंट अट द्या वर निगा क्षेत्र पश्चित् भारत् क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्या क्षेत्र पक्रुन्'र्धेव'न्व'पर्न्न्'सेते'सर्केषा'नेषा क्षुव' पक्रुन्'स्र'पदे'ग्वन्'नेगा स्व'पक्रुन्'शेन्'पास' ने भूर पगाय प्रचय पर्व दुर्ग प्रविष्य परि केंग भूर इस्राहे क्रिंग ग्री में में या ग्रीया नगत नहीं नवीं नया पर्वित् अर्हत् वत्य र् रूषात् शुराद्यार वीषा हेवा तम्भातम् उव र अभाषा मुका केंवा मेर् न्नम्ब्रियापते में भ्रम्भान्य स्ट्रम् न्मा न्निट्र पर्दे पर्दे अधिया स्थर मुया स्थर प्राथा धुया

क्षियायायायायायायाया है हे तकटा अष्ठित द्वाया यायाया ह्वाया या विषया प्राया विषया प्राया विषया प्राया विषया ह्वाया विषया हिंदि । प्रविव प्रग्रम् क्या याव्या याया स्वा व्याप्रो तर्कें या सूर्रित्। विषाधें वा सेंग्राया ग्री तर्गे सेंटा सुर् ने र्पेन पर्णित प्रावेस प्रमुषा प्राप्त में मुख्र स्था सेन प्रोभ्रमम्बर्धेके'वहस्राप्यम्यापर्सप्रवस्या लेग्रायदे प्राय स्वाय है ल प्राय हेता गूर र्गेति र्नेन ग्री नेष रेगा वेन तह्या है। या व्या ग्री नगतः पष्ट्रव पर्पे सूर दुरा वर्षा कर पर्मु वर्षा पार्भेग श्वर र्'नश्चरार्धित ने'न्या'ने'याश्चर'निते'त्रभारामा वर' पते हिट रें अर्दे र्डम हैं या प्रेव हैं। ने क्षर में अर्कर स्प्ति कुंद प्रति अर्दि पारे विवा कुः संग्त्र्यायो संग्त्रं न्त्रं त्रायते से मः ध्रियाया न्यायाया

गित्रेषापिते वित्रार्थे के मेंगापित्र में पार्टिया नेयानहेंन् नेव मु अट रेंग्यवट हेया अनुसपर नवग नवेव नदे निम्य वा नुगरा भूदे नर्गे न न क्रिंच प्रदेश केव पें पी अया के फ्रिंट पें प्रभादिन का गु'गश्यार्थे। श्चिर'यट'स्व'पविव'श्चय'गवि'रे' र्चे हे हे वया अक्रवा वी श्रिया परि भ्रिते पर्गेत् पा हा ठेगा ठर पु भूट पर अर्द प पर्या प्रभूव पर्योदे 'देव' न्यथा ग्रीया थे। प्रिनाया अर्ह्ना न्या अर्ह्ना यहिताया ने द्वर द्वा वर वय ग्राह्म स्टार न्या निया में तह्या अर्गेन 'र्ज्ञे' में राज्यवत 'यरा गुरा गिन र क्रेन 'पकु स्ते' इस्राध्यात्राध्याप्त्र्र्त्याच्यात्राध्या स्व धेया क यावव वया गुट रहट वट राय पञ्चट रा है विषार्थे। । प्रथापायदी कित्रंगु स्थाय म्यूषापा

तह्यायमें व क्लियायम्य स्वाप्त स्व स्वाप्त स्व इस्राध्याव्यावाद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्या पष्ट्रव पति ते अया अर्ह्पा तह अप अप मेव पें के वर्षा अर्ह्य पा हि नेप ग्री दूर केव तह्य प्रच्य गुव 'न्यत'न्न धूया'येष'अर्ह्न'पते र्केष'ग्रे 'र्ह्स' ग्रेंशंगुं भ्रेंशं र्याया स्याध्या स्याध्या स्याध्या स्याध्या यानेर'अर्हेंन्'न्न्यान्ययान्यां अर्हेन्'ग्रे'न्गर' ळग्राप्ट्रिं प्रमा कुर् थे गाव पत्राप्ट्र ञ्च्या व्यव्यव्या गुव प्यमुव ग्यो प्राप्त ग्या क्याव प्राप्त प्रमुद धेगा नेवा अष्ठिव मेव में केवा अर्ह्प प्रति प्राप्त नन्यान्यान वह्यायर्गेन्यो एड्या गिन्र केव अर्केग शुर होट पा तह्य अर्गेव हैं। गिन्राविय्यास्ययाग्रीः स्याधरार्थेग्यायाययान्धरा

## गवि'रे'रेग्राय'त्रह्ट'र्हें।।

क्रागी स्मिन्

गित्रेषापायित्र पर्के भुष्टेपायिष्य पर्वेषापायह्या प्रविष्य क्रिंग्गुं र्स्याययायद्वाधे नेषा हैं है वै। वह्य न्यमाञ्चात्र्यान्या । न्यमाञ्चरा मुरा पज्ञः भेषा ।गुव यद्विव यो वेषा यहँ प्रदेव य। किंगार्ग्र क्रिंपर्स्या क्रें क्रिंग्र स्वाया तक पा यम्याम्यायाष्ट्रयायात्रकम्। हिंहेर्देवर्धार्या मिकी वियानमा है में मायदार्य मायुया मी का वर विभागश्री साथ भारा हिंद सारा है । वर्षे तर्ने तर्वेषाया वया पात्रया श्रियायावे से पें से स उ। पिठकेव पे अदे श्वाकागार वेका श्विषापाय त्वृत् क्रेंत्रायम्ब्रा |देषायेत्रापष्ट्रत्रायम्पत्र क्रिंग गर्या विया गर्या स्था में गर्य स्था में गर्य स्था में

स्वि'लयां गुं र्र्ज्ञियां पार दे अर विषा पि र से स्विप कि पते भुष्टे। न्यापायने निन्गे स्याध्यावया वर्षिट.श.जया निर्वज्ञान्त्रव.श.भेषु.क्र्याची. न्। ।यन्यन्यन्यम् कें क्षेत्रं अम्। ।तिर्वितः यर्ट्रा बुवा मुं श्रेश प्रायो । प्रयो क्याश यर् थुर न्वापराश्चरा । अन्तारेषाप्राच्छेवाञ्चरा के। । प्याप्य मुंग्य वर्षः मुंग्य कें प्रमा । वर्ष प्रभा न्वन्यक्तं मुर्थक नियाया अवित सेंग्या । वित वित र्ट्या विया भ्रान्या रेम प्रमा विया यात्राम्या या विवा भ्रेषापितः स्वषानि हो प्रितासि भ्रेषास्वराग्रीषा विषा ग्राया । जिर्दारा केया म्याया स्थार विद्या विभागशुद्रायावित्र ग्रुषा हे भ्रुषा त्रवाषा स्था धरा मुषापा हे 'ते प्राणे विषा क्षेत्रा आपव 'सेव 'र्या के 'ग्राव '

न्वातःन्नम्ध्वाःवोद्यान्धेवाद्यःभार्यवाद्यात्वयः ग्रथाना सम्भा नेतर न्यापाने नेत्र हुव केंद्र ग्रान्य गुते श्रूर देर हे स्रम् अर्कन प्रोपन्त प्राये खुंया ने पर्प तर्यानुषास्वार्से हेते गर्रा राम्बुरायषार्भेवारा ग्रोत्रायानेत्राश्रवात्युत्रायेत् कें प्रात्युत्रायेत् न्नाषाञ्चाषात्व्योधार्मग्राषाषायर्गेषायोराष्ठीः विस्रापर्के विद्यापते श्रमासु प्राप्त सुद्या सुद्या स्वरा मुगावेषापाकुः शें श्रुयाग्री ग्वर्यार्थेर सर् श्रुप् न्य क्राञ्चरायो कर राषा थे अत्तापित्र यायायायाया दे । च्या रे'पि'रा'धे'अर्द्राप्ता है। वर्गारेषा आध्या विषा त्र भ्रापक्षेत्रया य्याग्रेयातह्यान्व्रत्याक्र्यांगुः म्निंग्राक्षा विषापित अर्वन यार्थिय। देवषा हे यें दायि

भ्रु'न्र्नेव'गुव'ग्र्वेग्रार्थ'र्यु'नेव'र्ये'केथ'ग्रुव्वेग्'गे' गन्व'यर'अष्ठिव'प्रहेदे'श्रुय'भ्रु'गठिग'ग्वर'श्रुप' प्रस्वास्यास्यात्र में में या सम्याध्या सक्षा सक्ष्या त्या प्रमा यद्यार्रेयाचाचन्चाचा मुन्याचेयाया अद्वितः न्रहेते न्नन्ये नेन्ये केषा कुषा वि र्शेन्यो भून्। गु'रु'रेव'र्रे'केते'ग्रुट'व्यायाति'हेट'र्रेते'ह्याया निया के मित्र पित्र मुत्र यह मित्र पित्र प पठरा'गठिग'रु'पष्ट्ररा'राते'त्र्य'र्रेश'र्'ग्रुट्रा'रा' न्ना गाः विवायो यान्व या अर्दे । प्रथय याव्या केवः नेराक्षालयास्त्रेवालयात्र्यात्रात्राचीः वावयावर्षरा नश्यायाः भेटा यटार्चेतिः इयातस्याः रेगाः तहेवः ग्लॅट ग्रायय हेट र्चेय पहुन पायविर पविद्या यहिंद पते मेन प्रचेश र्शेग्वारा ग्रेश सेन 'यया ग्रे म्या प्रस्था हे पर्ने निम्म पर्या व्या व्या प्रमुव पर्ये हो हो स

लूट्यालासवाराश्चेत्राक्रवातविटाक्निर्टा ट्रेडिं वतट अष्ठिव पर्स्ति स्थातस्य स्वारा श्रिट ग्री स्था वर तहेंव पा वेगा गुर तहूर पर ग्राज्य वा राःश्रेग्रायः रेअःग्रीयः ध्यायः श्रेंद्रायः व्यायावयः ध्ययात्र्यीययापातियाधितावतत्तिया विश यह्रियाययान्येवायाव्यायव्यायाव्यायाया न्न पश्रम्भ प्रति त्याम प्रायाय प्रायाय सेंग्राया होन् से 'नुन रेषापितापातापश्चिताप्तापर्याप्त्राप्त्राप्त्राच्याप्त्राप्त्राप्त्राच्या रापवेवा नगुराग्रम्यापनुवाग्रीक्षेरायषुर्या गिवेषावषागाः र्थेषा रेषा तहेव ग्रेंट ग्राष्य हेट रेविः याचे अयापटा हेंदा अर्थे। प्रगा क्रियापटा यायर रु गन्न तर्नेन व्या हे नेर नव्याया हुन त्यि केंया

शेरिर'ग्रायाव प्राया मी रेग्राया था श्राया पर्सेव मु केर'गवट'पवेव'परे'भ्रपर्यस्परे'ग्रद्या षर'त्'तहरासर्वेत'र्ह्च्य'स्यास्य स्वत'स्या गुर्वेत्र'र्द्या तहेंवा गाम्यायायाष्ट्रपार्ट्रे हेयायळव पार्रेया ग्रम्प्रिं अर्क्ष्याः श्रुयः प्रस्तान्त्राः प्रस्तः ग्रेशः निर्ने स्तर्र सुर्यापानस्यार्वेदार्यान्य है। तह्यान्वन्याकेयागुः र्से ग्रेयानेन तह्यायग्रेतः रेव र्रे केश रेश वहेंव गवर विट भ्रुक्ट 5 वर्ष न्यापते द्वाधन अवत न्या धन्या सु ह्याया पति न्नरायीयायीं रायते भू नर्ने यहँ न भू या न न र हैं। हेरारी मु रेव र्रे के ला व केंग गवन प्राम्य कें त्यान्व राषे हो ना हिंदा स्य प्रतिव र प्रविवास तर्वेद न्ग्रेषायाववाळेराव्यायवेवान्। न्ग्राम्या पर्रेष्ट्रेट हेट हिट लर प्राप्ति शक्ष हेते रेप क्षेत्र हित

यदे प्रविवाया वावया प्रया क्रिया तक ये प्राचा प्रदे न्वातःक्षानु रेषा ज्ञान कुषा नश्रुव र्धिन्या शुः हैवाया यते केंबागु द्वा त्या व्यवा यद यो द्वा ने वर्षा है गिंदा अदे । इस वर है स सु । दिव । धर्म विग अर'पष्ट्रव'पते'तह्य'र्ज्जे'र्च्छा'रा'यासुअ'र्ग्यु'पञ्चप'रा' हे स्रूर प्रवेष र्जुंश दे। द्युंट ग्रुंट्य प्रस्पेत्र भ्राच्यागुव याचेयाया क्रुह्म यू र र्सेयाया यया प्रयो र्द्ध्या ग्रें क्रिंयापानिका नग्रामार्थे निमानु म्या क्षें मुव प्रथय गान्त स्रोट र् अप्रव केव दिग्रा बेट्रप्रज्ञ क्लें यायय र्रोयाय यय पहेन पर हैं याया ह्येयासु-त्युटा याट्या से विते हिटा द्विया येवया विवा अंदे'भ्रप्रशहे'र्गेट'अदे'ध्या'प्रवेष'भ्रूर'र्भे'कुत'भ्रेत' म्जानान्य क्रियान्य नुः सेवासायसार्स्सेन नसुः र्क्ववासाग्री वियाष्ट्रा वसानस्रेवः

ह्याया भुराने प्रवेषा प्रया शेष्ट्र यी। क्षेया पार्विषा गाः विया भे पु मेर् मेर् में के। आपत केत गात प्राचार न्ययास्या यहसान्धन्यार्भेगिनेरान्नरार्थे। वि'केव'कुश'र्कप'रेव'रें'के। भ्राक्रेंव'रग'र्पर येग्रायायाययाच्या केत् स्यायायात्रियायाः ह्यायानश्चित्राविया दें हे वियापरात्तर यो त्या केव विया या देश दहेव प्रोंचा या शहेवा हो मु त्रिक्ष्यत्या इत्युर्त्यात्यत्यते श्रुर्वेत्रिष् हैंग्रायायके वार्या के अया में मियाया के या की से या कुरा पठरागुं प्राप्तायाय थेंप्रा हैंग्रायाय केया हैंप यर हैर दहेव न्न या ई ई इ इ ए यय गुरेर यव 

न्ध्वःश्चितःश्चितःश्चितः न्यान्ध्यान्याः न्यान्यान्याः न्यान्नरायेषायाना इयायानेया अन्तरायान्याः यम्यात्रम्यात्रम्यार्केन्यान्तेन्यात्रे न्ययागुः हैं हिते कुं यथा गुःन्नन्य नभूर ग्रायव प्राय अर्क्षेत्र। ग्राया केत में हो हो ग्राया दे हो हो ग्राया वयागुयाथ्वार्से हे तहेव पाळेव पे श्वाप्य भवा यूर्या मूर्या सामित्र वार्या में किया क्रिंयापायायायायाप्याप्याप्यायायायायायायायाः स्वर्थान्त्राक्षान्त्राच्यान्या गुव मुं अंग मुव द सुर प थेंद रेषासु'स'कद'रादे'सप्याम्यासुन'तु'सर'नह्नेद'र्न' तिविद्यायां वेयायां निव्यायाः भ्रान्यान्यान्याः निवान्याः भ्रान्याः 

नश्चन'पर्याधेवा'न्गर'ववा'ञ्च'अ'न्वेन्य'तर्याग्रे' क्षाः श्रीत् 'यम् 'यम् 'यम् प्रम्य 'यम् यम् यम् यम् यम् यम् य वयाहे से पु मेव में केते थें म्या यहें व यापव केव व्यापष्ट्रव रेगा यहें व कु अर्के हे ने प्री थें प्रा तहेंव र् पवगापते अर्व स्गरार्ग्या स्गा वेरा वयान्स्ययार्थायाठ्याः भूगार्भेटा गाः भूगाः वर्तेव सु है 'पर्ड क्रेंस क्रेंस वहेंव चुट ख्वा पर गुव याचेयायारी मुं रेव र्ये के त्या कुया तत्या वुषा न्या -न्वन्याख्याङ्गायर्। स्रमाङ्गान्या न्ययाध्याञ्चार्यन्याञ्चात्राचा न्यया सीयाध्याप्त्राम्याध्यायाष्याच्यात्याच्या नग्रमेषाक्षात्रेयाययाष्ट्रवानग्रम् न्राञ्चवायार्करा यश्यार्शें नेया कुन् प्विं प्रमा प्रत्या पर्वे नेव केव रेश्यन्यापयाप्यक्षाग्रीस्यायेव। यावव केव ग्राव न्ययायकार्कन्या क्यायम्यायाकार्या वरा र्नेन रेग प्रते भूर। गाः विग रो मु प्राच्या अपन् केव 'गुव 'च बट 'द्राय 'स्व 'केंब 'गु 'गु ग्वा रा । गाः विया अपन्य न्ना अपन्य स्था गाः रेव रें के। अपव भ्रम्भाय चर प्रतर ध्रमार्थेया र्थेया रा लया. ब्रेट्राय क्रिया वार्येश. क्राट्या क्रायायीया थॅव न्व अर्हें न संयोग थेन नवेव अर्हें न सं त्रोय। व्ययार्क्या हे हा तर्या रायर् स्रिन्य पठमा निवः अर्चेषायाः क्षेषायाः स्ट्रा निवः या कुत्। अर्देन पार्येट देया श्रुप्त स्था यायट पार्श्वेट रेविः पर्यत्रायायाः स्वायाः स्वायाः त्रह्यायाः त्रह्यायाः श्रुः

तस्यान्यते कुन्यम्। व्यायवान्यात्रिमः त्रोय केव हेट विच विच विच चरे अर्केग संकुर दर गुर'ष्रां कुट्र'प्रम्ट्र' याष्ट्रेव 'यहेते' ने 'प्रकुट्र' रुव' र्शेग्रायान्य। यायान्यन्याः र्श्वेष्याने र विनयाः ययाः श्चेष ह्य नम्यायासुय सँयायागुव मु न्यायायायान्य पर्व। ग्वयाग्यराप्गात्येयाययास्राप्र त्या हैगाश्यायाग्री हैं राक्ष्यायान्य प्रतिवाहें रा अपिव 'रेव 'र्रे'के'अष्ठिव 'र्या अर्व र्र्ष 'द्रिं र नश्राकृत्रत्योयाळेव दे केत र्देन ग्री नम्द्रित र्शेग्राषाणुषायर्केन् प्रमित् कुन तिर्ग्यापारे प्रमातः केव 'पञ्जायापकुर 'पाये 'अर्दे 'श्र्यायाणे 'यावृर' प्रम्प्राक्षें के याषावा ने प्रयाभक्षा त्रुयापाको नेंगासेटानकुटाट्टा अर्देस अर्दाट्टान्गे र्द्ध्यामु मा से मा के कुटा अर्दे दा ये दिया मेर

ध्वेव अर्देव हैंग्या कुवा न्नु अ स तह्या निवे यश्रमा निया भेता भेता भेता भारत्या न्न। धेन्'निव्व'सर्हिन'र्श्वाग्रुस'र्स्यान्या धॅव 'नव 'अर्हित अपका'तह्या'र्शेयाका'र्नेत् 'यावृत्' पठकार्के केंद्रे स्पाप्ट पठक्षणका दहें व तम्यापायाचेग्राम्ग्रीयायाग्रीयायात्याव्याद्याया न्ध्रिन् में 'नेव कुवा' तन्या नम्यानम्बर्था गुःन्यः नरुत सेय देश अर्हि । शुरान्य पारि हेर हेर ग्री'नग'कगर्भ'स्रेन्देरे'नश्रूष'र्कन्ग्री'रेगर्भापा'श'सेत्र' ग्रीमान् नित्रामान् त्यात्रीमाळ के नित्रामान् रायमा न्यस्थरा हे र देन पाया वर विरान्य विषय निष्या सर्दि पालियाधिवाया नेयानाहे सुरालयानियायाव्या

न'अट'न्ट'रेग्राय'न्यानम्य'नम्याय'हे'र्ड्य'न्य' ग्रम्यित्रहें। इत्रिय्ये इत्रियं के स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वा शुर्वेषाया सेट्रस्य स्ट्रायर मेयास्य स्ट्रायर मेयास्य स्ट्राय यते'ग्रायदाकेत'र्से'हे'विग्'यते'कुत्'त्रायते'ते' क्षेत्र में भाषी गान्ययापा है स्निर गायत पते र्ख्या दी। गुव याचेपायायी मुंकेषा गुंग मुं अर्के यया अर्दे भ्रु रोयया ग्रुयापग्रत्यते क्रिंम क्रिंट या क्रुंट त्र च्या के त्र ह्नेट विवा या प्रवि र्सेवास र्केस प्रगात कु केर वास्त्र न्यें ने श्चित श्चित श्चित स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्व त्रव्यार्श्वेच प्रमृत् कृत् हे गुव प्रमुष द्या दर्वेर कुन्'ग्रे'क्ष'न'वर्षिर'वन्य'न्छेर'सेन्'भ्रन्य'र्नेव'ग्री' ह्य अव मायर पहेंचा कुर हेते पहें हर है

विचराः चूटा चुरुषाः पागुवः च च टः च स्ववः हे 'यया याषव। थन हे त्यूर बेद कें द्वद कु अर्के अर्थ देव केव गिनेर्या अर्केगाश्चिर्यानेराकेराङ्गिरा धॅट्यार्श्यायायाया न्यांव केव यापव म्व न्याया गहराङ्गेर्भाष्यशङ्ख्यावययागुर्वाच्यायाया ग्राया र्मे श्राप्ता मुन प्रति है। या या या स्राप्ता केवा है म विगार्भेर र्प्याच्या स्वाया थेरा विया होता स्वाया ग्राया वें केव कुरा करा प्रज्ञा स्या कुरा यह । गन्ययान्याः अर्हिन् निन्नुन गिन्र सँग्या मुळेर न्यायम्य त्रम्य न्य मित्र मित्र भूर र्भेयाम न्या वर'यय'न्य'न्यन्यम्व'रा'यया कुय'नगत'रेव' र्रे केते सुद सेंग्या गुरा अर्कें वा स्याध्य विया ग्राह्म अभ्या । अर्देर व र्धेट्य दहेव पश्चित छ

ञ्जा पञ्चेत्र त्राप्य केंया कुर्केर विषा विष्य निट'हें के नमुद'री गुव'य'दग' भूट' केर' नभुद' ठिटा विवा हैवा श्वेताराका का वीका भिरा वाके भूर ग्या अवते द्विषाया तहें व श्वाम्या निप्त वित्र अव न्याक्त्राध्या क्रियायावययाव्या ययर्पाकेषा । विवादरायविवापरायश्चरायरा श्चित्र विषाणशुप्रकाया स्नियः हो प्रिति विषाणश्चित्र ग्वीं पति न्नु अ भ कें रा गु भें व न व है र्ड अ भें प् गु प के प नुस्रम्भुं द्वाराप्याञ्च स्य प्रमुद्धार्थे भूत्रापा न्न। । न्निन्ध्व न्व छव नुः क्रिंयश प्रें क्रुन् वित्राध्याप्याञ्चरायो स्रीयाय स्थायात् । यत्र भेंत्र मृत्र है र्डं अ के या त्र प्र प्र अ हो र पान्ना स्राथियायाचित्र विवाधियायाग्रीयाचा

अवतः केंशानकुन् गावन ग्री नकुन् तहेंन या धेंन *ҕ*؏ॱॾऀॱऌ॔ॺॱऄ॒॔॔॔ॱॻॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱॸऀॱॺख़॔ॕॸॱॸॖॱॺ॓ॱढ़ॾऀ॔॔॔॔॔ढ़ॱय़ॺॱ र्नेव र् के पानेर पाया कुट केंबा या गुरा व्याप्तव्या पायाधेवापराग्न्यारेते वित्रिंगुः श्वापः स्वारेत के'भेव'र्वे'र्रेग'र्रोदे'र्केश'कुव'तित्था'त्रा'र्योत्थ' टेश'रा'क्रअश'र्स्डियाया'रेया'त्र्रा'तेया'नेया'सेरा'र्र्या' ह्यानु त्यन्य या केव र्येषा क्री न्या के अन्त या वे न्नन्योग्यम् न्यं विषाया मु अर्केते प्या अवस र्वेव पा है। हि में ए अदे स्याध्यापित पार्ख्या रें रापकुर सुः भ्रमा पश्चेत वया में में प्रित हो भूम प्रतिया प्रित र्द्याण्यव येव केव कें रेंन् पवि न्मा इया घर विटा पर्ने र अर्ळेव र र्वायय हैं। प्र र य व्या रें। न्'न्या'याषाव'प'र्ख्य'न्'या'पव्या'पर'र्झेय'पर्य

नुस्रासु सेन प्रते र्कुल यह । नुस्र प्रते नेन भू कुट्रान्याप्रहेव श्चिप्रस्ट्रिप्याव्या अर्ह्प्यव्या गर्रिकेर'न्गुट'ग्रट्ग'ज्य'अव'वर्ग'नवे'न्रु'र्भेर' न्यार्थियायार्षियायार्थियायर्दियायर्दियायर्दियायर्थिया ग्रम्यापवि'पञ्जवयारे'ग्रासुस्य प्रमाधिसाधिस्याग्री' र्क्यान्ययाकेमाभ्रायक्ष्ययान्यन् मुण्याव्याया ने न्यायी मेन हेया है स्प्रिया प्रवेश गुरें में स ख्याषास्य प्रति यावि पष्ट्रेव क्षेत्र मुन च्या मुषा ग्रम्यत्रात्र्यार्म्य क्रास्यायात्रात्र्यायाः वु र्रे अपित र्ष्ट्रिन ग्रे श्वाया प्रहेव। अर्थेव र्रे गुर ग्रे शुटाचान्ह्रमाह्मेटा अधिद्या मुख्या अधिव रिति वटा यायट स्वाया प्रत्येया प्रत्येया प्रत्येया विषय नमुन्दुः भ्रमा अर्गेव र्पे वियानि पिते ग्रम् भ्रमा

नेते कें भूग व्यापत्व अप्ता प्यार में कें तसेतार्श्यामा रमाकुटान्नुन्गुन्गुः पर्ने अर्केगा कुन् शे शे शे अर्देर पश्चानि ए शे पवि देश श्वा स्वार्या अहर योद्र स्यार्थयाया । श्रीय पर्य विंद्रषान्यान्य स्वार्थिया स्वार्थिय स्वार्थिया स्वर्थिया स्वार्थिया स्वार्थि यामुलाया वे प्रतिके प्रमाया या से खुषाया भूता नगर रेन चेर हुग श्वग्या या सह श्वेते न चन्या ठव अ'नगर कें हो नगर में झ'ग्रुअ'न्न। ग्रुन मुयार्के प्रयार्भेता यारेते स्यामुयाप्यारार्भे भ्रा ब्रे भूव मी कें क्षेत्र क्षा गर्य वार्य वार वार्य वार् न्न'अते'क्य'तर्चेत्र। तहस्र'न्यस्य वर्षेन् श्रुत्। स्र निते तह्यान्गम्। न्यापते खुग्या गुं श्रु यो न न्वन्यास्य स्याप्त्रास्य स्वर्थः स्याया न्वन्यः

ठव 'न्यर' कें 'नेया पारेते 'श्वाषा गार्न 'न्हते' ख्याषाणीः स्याप्तामा बेष्याधानामार्थान्यस्य यते'स्याया हें'स्याया हेंय'न्याया हे'ह्ययास्याया ग्रेस्प्रेस्य व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व हिराय। र्यायाचेरायाच्या विवार्स्यायच्या तर्मार्मा शुर्च्य अर्देख्यायार्योषार्थेव च्वा पठरा। भ्रेषाञ्चराम् अर्थेव। क्यादिस्यवापारी स्याया श्रेग्वर्षा संपर्वाया या अर्देव हैं। न्यम। विन्यापति योशेम केंगा ध्या न्याम पी বভনা । বার্বাশর্নাম অর্ক্রবা শ্রুব অ শ্রি র্ক্ম শ্লুম वियायम्व याव्यायायायायम् ध्रियायायार्थं के या न्ना देवाबाध्यक्षयान्यां गुप्तिन होन् नगायावाने रा बुट'त्रवेश'श्चेव'ख्यायार्देर'येययात्र्यायांगु'श्च्रारा यट्यानेरास्यायुयाद्वेया केंग्रान्यटात्राया

ग्रायात्र्यात्रेव केव। रह म्रीट कें श्रुप ग्राया तर्या अपतः तर्गे भरा ने गाणे होत क्राया ह्या तस्रेट गानेर में ला ने गा भी स्र श्रूय गार्ट पा ने हिरा तहतर्कें व प्रोंव अर्केगा श्वेष्तर्या श्रापि मु उव यारेगायहेंवायर्या हे यहिवायहे प्रांचिता ब्लेट बुट यो याने र केंबा छे ब्लूच प्रस्का यान र केंबा नेते क्षेत्राञ्चन वद्यानेया तहेव कुलानते यात्र तहेंवा वर्ष्याप्यथापाञ्चवायुपापठया तह्या अर्गेव मेव में के न्म अष्ठिव नहीं जुम की केंवा नगत यायट. ह्या. श्रेचा ग्रॅट. श्रेट. लट. यायट. श्रेच. विगामा ग्रानार्वनास्यायाः नेगायो त्राञ्चना मु उत्र र्गे'र्लेन'न्न। गुरु'गु'उ। श्लेन'ग्नेन'न्ग'न्यन। ग्वयार्क्यागुराट्गास्राभ्याख्या ग्रीटाग्राया

गिनुस्रान्यान्स्य विषाः मूनि होना ह्या विषय न्ययः केव 'यन्यापान्ना न्यापें मुष्ट्राच्या ह्यायाञ्चरामें र्या तह्यायमें व में र्या यह श्चित्रपठका निरंगिनेरंत्रगतः पकुत्रपिरंदर्शः पश्चेव केव। यद गिने र पगात तर्श केंवा गुं कु अर्केते पत्नेत भूग ग्वाच भूग भूग केत भूग भूग प्रा तर्रेयान। श्रीन र्षिन र्ष्याया रेया नगात न मुन राष्ट्रया तर्वत्तर्याय। विग्राश्चित्तः संभ्राश्चेत्रं केत्। कृतः युग्रायायम्यादियादे प्रदेश क्रम् व्याप्रायायाः विटार्चिम्यायित हे कें प्रम्यायित प्रेता स्रुत नकुन्यानेव हे बेन्य गतिया देन गयय हैन बेग यो तह्य प्राया तके प्रम्या निया मुग्या भूपा यर्स्यार्मेयात्र्रेययायम्यात्रेया ग्रेयानेयायमः नर्ज्ञेगा रेव केव म्रीट पते वृगारगु नर्या ग्रह

यानेर कें भ्रुप श्रुपाया भूटा था श्रुपाया भ्रुप कें प्रमा ह्यायाकेव यदा होदा तर्मा वर्षिया पर्देदा श्चिम्या यद्यानेराम्यम्यान्यान्याः श्विया यान्याः प्रमण्यम् विष्याविष्य द्वा द्वा द्वा निष्य प्रमण्य याचरुषा हुन्यकुन्यस्निन्या वरानेगा थन स्राञ्चगवाया यदागित्राध्यार्देरार्दे हो छे । तत्रा ग्लॅट'ग्रायययाध्यार्देर। व्यायाञ्चराध्यार्देर'र्दे'हे'रो' र्ट्या गणुः र्व्याः द्वेटः विगाः त्रः श्वाः श्वाः श्वाः श्वाः श्वाः श्वाः वुर'अपर'श्याया व्र'श्चित'विव'क्वतयां हैट'र्ये'पठया क्रिंग्न्न्रास्याधानायात्राह्यां मृत्राह्या पते'ग्राम् भून। नर्न'तर्भ'स्र'पते'ग्राम् भून। ग्लॅट होट स्र पापत्त प्रतानिय होता होता पक्तिस्या द्रियाष्य क्षेट विवा वी स्र पा

वर्षापवे द्वा अर्केषा या नेर वर्षर विगास्र पावेद्यागित्रापठ्या वृद्गाने रार्ष्रिया वणा कॅरान्नर क्रिंयनगरा कु ठव क्रेंयनगरा धेन्'निवेव'र्वेर'अर्केगा ग्लॅन्'ह्रेन'धुअ'नगात'नने' केव मुल कें। यद गाने र अपित तर्शे गायद तर्श न्गुंभ'त्रिंन्'भेंन्स'ह्यांरा'भ'नहेत्र'पते'नहेत् ह्या শ্ববাধার্যান্দ্র শুরাট্রসাথার हेव परि पञ्चेत मुদ্য नेते वि कुषान्तर्याषुष्ठा क्या क्या क्षिरा क्षेत्र नगम। कुं ठव ग्यायट श्रुन सेट यार्नेट सा हैं ख्यायाः भ्रीतान्यामः पकुन्यायाषुष्ठाः स्वादियायाः भ्रीतः ल.च्याय.च्य्याता वियाय.श्रेच.श्रुज.र्ज्न्ता अक्र्या. गिन्राची'सायते'सेट'गिर्दि। यट'गिन्र'वि'हेर' गर्गरा मानु के निक्त में मूरियार में रोरा

न्याः भूनः कें 'धुरा अकृ 'भू ' होन्या यासुआ न्यें न्या गिन्र प्रमान्गर मेश रच ग्राया र होता धर गिन्र ट्रंट्र्स्ट्र्म्ब्रायम्यायद्म् व्याप्याय्याय्याय्याय्याय्याय्या न्यम्। न्यामिनिनेषायेषा श्वाषाञ्चनञ्चेपर्याषा न्याञ्चरको मृते कें न्यया सेन न्या र न्यर या नेया यट्यानेराद्या श्रीटादी सेट्या सेट्या ब्रीट गिनेर कें धुअ र्ड्ड भ्री कु उव द्या वेर वि पति कें भ्रा नियाने राध्या पति पार्या कें तसेयापठयायाप्याप्याप्याच्या अर्ळव्या अर्छे देवायापति त्यापवेषापायवायार्डं चेंरात्र्या वरावयायात्र्राप्या यश्यत्व्रम् प्रवेष पर्गिम् प्राधेष र्वे। । ने भूर व्याय नुस्या सुर विषा प्रया वुद सेंद दि यो।

र्देन म्याया हे 'क्षेत्र' यादत प्रति 'क्ष्या र्से 'स्रिते 'क्षेत्र' क्षेत्र' स्रिते 'क्षेत्र' स्रिते 'क्षेत्र' धिः श्चित् 'युवा भव्या भेता नुवा श्वित श्वितः । गर्यानुते अर्वेट श्रूट अधुव पर तहेग हेव र्ख्य अर्वेट पी अहें या केंया र्डम प्राया का या है ति है ति है गुःभुःकेंर्न्भःर्यराष्ट्रभाग्ययाञ्चयान्यः नष्ट्रव क्षेट रेंदि संभग नम् क्ष्र्य ग्रें नष्ट्रव रा देव र्पें के क्वें न् अवश्वेषाचर अर्द्रापा वे न्यापि रेग्रारारुव देश प्रते श्रुव र्केंट साधिव प्रते सर्देव म्यायान्द्र्याधेवाया । व्रोष्ट्रियायाञ्चति केषानेनास्य वि'त्र्यायी'यार्ख्या'यया'यट'र्'र्क्ष्याया'र्ट्ट'यार्केट्'रा' ग्नन् मुर्गागुर्गाष्ठ्रयाः क्षेत् क्षेत्रायाः स्वाधिरायाः निहेत्र पति यद्या नित्र प्रात्र प्रात्र व्या के व्या मि अर्केंदे'न्गुंभ'दिंद्र'श्च्रीन'अर्केन्'न्न'द्रोभ'रन'तु' गवर्षापिते कें ग्रायावर ग्री क्षापर के खार्कर या प्रा

ष्ठे रेशर् में र क्रें र क्रें र कें र गर्रेल प्रतायावया से में गाय विस्ता सकेंगा गो यश र्श्वेर पर्ट् र श्रेव श्र्वा विव र्शेट र रेहें र श्र्वा या द्यार्पेते यस श्रीत या केंद्र या केंद्र या केंद्र यह वा सेंद्र यह व न्द्रक्ष्यायाग्री अर्केन्या निया श्रेया श्रेया मन्या यार्थया पठरा'र्से'सॅर'ग्वप मुर्स'तेव'ग्ठिग'गे'पिंट्र्स'सु' ग्याप्यम् अर्हि निते निते नित्र स्वाषा श्रूम नित्र मुं पते र्ख्या ग्रेषा स्राप्त पार्य प्राप्त स्था केता यथा प रेषान्ग्रीषायाके सेंदा वेषा ग्राष्ट्रा तर्सेषा ग्राटा येनमा । नेतर ग्रास्ट केंग न्तु हे में मंर्थ रहा नु र्ख्यायाः नेटा परा अर्ळअया गुटा या येटा र्येग या ध्युव रेटर्ज्याग्वटर्सेट्। ट्रॉट्गाः श्रुकर व्यागुरा किट व्यायाय श्रेव प्रहर भ्राया श्रेषाय देर थेंद क्रमार्टे मर्मर ग्री पावसाय पर्गाट् रायर सहि

ह्निःशरागर्याभगापटान् श्रुनाधन्यागुन्निया ग्री'न्नन्ख्राच्यास्य भ्राच्यास्य स्थास्य स्था ह्रेषायावटाभ्राच्या केंयाया याया यो। प्रमान्य यो स् तर्वरानार्श्वनायाम्यान्याक्याक्रेन्या रेयाग्रीया वस्राज्य वर्षा विया मु । यर्ष्या या से स्राप्य । देते । स्रा विते हिट र्ख्व अट र्धे प्रप्राचित्र प्राप्त प्राप्त अर्दे र व रेव र केव प्राचित्रों रोश अर पर्या स्थापर यो द्वी विर कुं लूर्रारा र्वेरा। इरागाः व्यारा राज्यायाः भेरायाः न्द्यःकु'न्गर'र्धेयाचेद्र'र्ठ्यानवेषागुराभू'युषाया दुर वर्गुर अपर्वेता वहेव क्या मुवा अर्गेव रें। विषापाष्ट्रमः केषा हे । तु । प्रिंत्र कु । व्या । पु । येवषा भ्रवषा पर्वेट्रा मेट वट हेव र हेंव अर्केग ख्रा न्यट यो त्वरायां योद्याया यव्याया प्रति 'र्ये क्या में अर्कर '

ठव 'दे'नेद'धेष'शु'ळ'सेद'चते'सु'द्यपा'गेष'नुसष' ळग्निन्न हे तिर्वाल्यस्य में स्थानित्र यावरायावर प्रत्येपयायायाय सुर स्राप्त प्रत्ये प्र तगुशकेर हुट पते अत्व देर शका हैर केंग्र वर्षागु'गुयापत्वा'रेट'र्येट्'रा'चेट्'पष्ट्रह्रा'गुर्षा र्वेषण्याः भूव ग्रीयावटाकेव पुः भूवाया नेरापाठेषा यो श्चापटायवेट्यायंदे रचायव्याद्र्येंट्यायाप्त्र पर्याञ्चित्राञ्चरमाञ्चरमान्त्रेयामा स्टाच्चटामायाया नरार्चेवायान्य। हिंदाकरागन्वाकरायेनकावका धुव मेट अ लेव पारे भ्राम्य लेग गु रुते भ्रु र्ळा भ्रुप प्रथानेयां के पर्वेद्रायि देंद्रायय प्राच्या विक्रषा ह्रेन्ने स्वायायन्य हुया ह्रा गुत्र नवट रेन्ट्र

येन्याने न्नान्यायुयापते केंयान्द्रिते नेव गाम्यारे वैन्न्गरन्न्न्रह्यं अव श्रुन्द्र्यापर न्व्नायान्न व्यापाक्ष्र श्वायाः श्चेत्र यात्र रहेवाः राते ख्या विश्व तर्वेर य। त्रुप निर ख्रिय ख्रिय तर्द्या मुंग्यानुद्रायदार्केषापद्विरान्त्रितान्त्राम्यान्या स्वावयान्याययेन न्ना निमान्य । अर्ळर ग्रें) याव्याया पर्गित्या प्रात्या प्रात्या र् यशिष्रान्त्रिया.सूर.रचिष्रास्त्रेयथा.श्रेयथा.श्रेयर्थः पते केंवा गतिवा तेव से अन्त केंन मुंद मुंद प्राप्त वा त्राक्षेत्र प्रतेषार्ख्या स्वापित्र प्रहेव प्राप्त पठरापापवेदराशुपापायार्याय्वराव्याप्रास्त्र न'नेते'ळेंश'नर्रे'श्रेते'तेत्र'रन्गत्राप्त्राप्त्रा गिन्द्र अर्द्र कुर विश्व पविष्य गिव्द पा पविषय गिर् र्केश निव प्रणे तर्व तर्श ने प्रभव पा कुश केंग

न्नात्र्रेयासकेन्या कुषा श्रेषान्य विषात्रेया स् पट में हेट वया थें इट ट्र रंग कें सेंग्या गु अर्केट ह्येव तर्वयाञ्चरमा होटा यो वया अपवर तहता देंदा न्राचाचरुषान्दिषासु। रचायावर्षागी। से। हैंया क्षेत्र दें। न्याके पत्रापार्येगा श्राक्षेयायाया कर प्रविव रू नन्यान्याम्ब्यापन्यो विन्यो भेष्ठी विन्याम्य पति में अर्कर जुम पानेर भेंन गुन ग्रेश अमेंन शुरा त् अर्वेद बिद रच ग्वर्य से मेंग र्दर हेव र्द्रदर अट्र न् विच र्क्य में किया जुट्र च त्रेते दें प्राया वया यूट्रतपुर्म्यायायान्त्र्याच्येट्रस्याच्येट्रत्याक्ट्रिं यट्यायायायायायायाय्या प्रशर्दे अर्कर मेन फु के प्रस्थें अ ने प्रम्याप्र नर्गेन्यन्न । व्रित्कन्यन्त्रायाः प्रविव 'तेव 'यय यद 'र्येष 'कॅट्र'प्र 'र्य प्रवागव्य थे'

र्नेगा बद्या व्या त्रावदा प्रति से कुया गुदा अदा त्र यद्याप्त्री विषादेयायष्ट्रियास्त्रियास्त्रा पते द्रमाधर कुषापायषाये क्वापि द्रम्यषाप्तिषा राधिवाय। ननुषासेनषाहेषास्रोतेषास्याधियानु वैगायर सेन्या भून्या तहत क्रिं भेव मुन्गगा यर्प्यान्त्रास्त्रान्त्रास्त्रान्त्रात्रास्त्रात्रास्त्रात्रास्त्रात्रास्त्रा न्र'न्र'विट्य कर'वेथ'त्र'त्रेपष'रा'र्शेषाष' न्ता वराषटार् विषाषाञ्चवावराळ्टागुवाबेषान्ते। क्रियायायत्यया होता स्वाप्ताय अक्रिया विता मुषा । पाव्र पो पाय प्रमेश र पाय वर्ष र्शेषाय गवटा भ्राच्या अर्केटा हेवा विगा अया अर्कव र्थे कु र्केटा गरेगायो धुव र्रम प्राये प्राय ष्ट्रिन्परानु ब्रुंबिंग १५ तेव र न्या र्ये पेर स्थाप्य प

न्ना रेषुया रगणवया अधिव न्यानञ्चगया भ्रान्य नभुय न्तु र्ख्याय पा न् न् र्थेय गुय गुरे मुन यश्यापुः दुः देव दें के हें हो में पेंद सेंग्राया वया अपतः गट्या में हिले गर्य श्रुर्य पार्ट्य स्टाय प्राप्त स्टाय गन्द्रभेद्रगुरात्रक्रय्याञ्चर्या द्यानञ्चग्रा न्र्याणविष्यः श्रेश्चेत्र श्रेन्यमुन्यः न्रान्याः ग्रम् अन् अन् अन् अन्य मुन्य स्त्रम् अन्य स्त्रम् अन्य स्त्रम् अन्य स्त्रम् न्न्याने स्टार्या र्यस्य यायया प्रति यात्व प्रतः ह्यायागार पष्ट्रेयावयार्श्या प्राप्त होता होया र्चरभ्रवश्यायां प्राप्ति । स्वार्थित । स्व ग्राया क्षेत्र प्रतिन्य क्षेत्र क्ष्या क्ष्य चुषा अर्देर व 'यदेवे 'वेव 'ययष' दूरषा यदेव 'श्वे रेगाप्र विवापार्शेग्या सुदा विगाप व्रवाप विवाप विवाप श्रुवारा जुरारे। विवायवायां वर्षेत्र विवातायाः

प्रविष्यायाः ग्रियाः मृत्रमः स्ट्रमः व्याः स्ट्रमः व्याः स्ट्रमः व्याः स्ट्रमः व्याः स्ट्रमः व्याः स्ट्रमः व्य विगार्श्वेटाप्रशामु अर्केते में मेंग्राश्व्रापा सुमा अर्केता र्व्यार्थे। ट्रेस्निय्यायर्गाययाग्रीःश्र्यास्त्राकेराहेः वर्ने नेर्गुषार्सेषावहेंव ग्वना। ने भ्रम् अविषान्य नियम् श्रुवा केव र्ये ने निन्गीषान्त्रम् न्द्रात्में नित्रे में मुद्रास्त्रम् पते र्ख्यायया च्या कुषा केषा ग्री प्रिंद र्येषा प्रभूत तर्गेरायव परिश्वेषापते र्ख्यावी प्राप्ति प्रा पर'ग्लेट'दगर'कुल'ब्लेब'ल'गट'ब्लें'अ'ब्रुगर्लार्थेग' व्यातकन्पान्न। पद्धाविवार्थेन्याः विवार्थेवार्थे पिट केव केंर पटे केव बिट श्रुप गी केंग्य प्रमुर प्रविष्यायाः ने प्रमे । श्रिव । श्रिव । श्रिव प्रमाया मित्र । श्रिव । नन्न। गन्न अर विन्या दिन् व्या सेट र्सेर अ ल्य अन्य ह्ना स्टाय राय प्राया विष्य स्टाय स्टाया स

ब्रैंन तह्या क्रिंय ग्रुंय क्रानेया वेर ध्रेव सून या कुन्नुः आ पन्न हिंद् र्सेग्रास्य ग्रीप्रम् इंस्वारी श्वासी नियाणी श्वा ट्यार्श्यायायवायायया कृट् न्नायायवायवियाये म्रेव स्ट्रापान्ट क्रिंट पह्या यव अट। द्याया र्येते वर मुन्यव यारेगा अर्देन हैंग्या मुन रेंट हूंन त्र्येयापान्द्रम् भूग्राक्ष्याक्ष्या त्रुयापान्ने में ग मेट्रिट्र पकुट्र यक्षा प्येट्र पिक्र अर्हेट्र क्रिट्र या धेंत्र न्त्र अहेंद्र क्रियाशुया केंश द्वीद्रश अहिंदि क्रिया श्रिया श्रिया श्राया विश्व क्रिया श्री विश्व क्रिया श्री विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व पन्द्रा कुर्न्नुषा वर्ग्भव्दार्भव्दा कुट गतिषा चठषा भव गतिषा स नकुट नहिषा गित्रेषाषायुग्राषाविताकुषायवाति। गुराष्ठा पन्दायायवायायाया पदे अर्क्या संसूद्यी पन्

यायवायविया त्यायविराकुत्रप्ति व्या त्र्येयंकेव हेट यव गठिया यय रेयं थे नेयं हेट अर्दे न्वेन्य प्रत्यप स्र पा स्र न्य में भून नम्नान्यक्षायम् स्थापेषा अर्क्षम् अर्भे स्थापाराणे प्रम्पायमां अंतुमाप्रायवमा नेप्रयास्यया ग्रे भ्राच्या बुर गवुर यो नम् विर विर न्या ग्राम व्यान्त्रायान्यायोषान्त्यायाद्रे हिंगायोदे प्रम् ध्ययान्ता यान्तेयायान्त्रवान्तेवाशुर्वश्याः नु'अ'भेव'पर'कुष'पन्द्रस्यष'ग्रे'चप'र्देव'ह्रेट' र्चेर देय। पश्चापति रेग्या विच छेट कुषा पर नग्राया हे 'क्लें शान्यव 'अर्केग 'गुव 'ग्री कुन 'या श्लेव ' हेशरादे तकत् चु अर्दे श्र्याया याद धेत ग्री यात्र र्नेव वर्गार ग्रायाया कुषा शुः क्षेत्र पर अर्हर् छेटा।

भ्रान्य विताग्यम क्रिट यो नम् कुन न्द थेया क र्शेग्रायानायाम्ब्रियाये न्वेन्यान्या न्वा ग्राया प्रायम् अर्हित् पार्श्वयायया ग्राव्य प्रोत्यापा सब्व'सेव'८८'तवर'से'तवर'ग्रे'८ववा श्चर रेगरागित्र वर्षा भेष्ट्री क्रिंट स्व क्रिंग् अर्क्रेग्। गुरुपों रेग्रायाया चरा देव 'यया तर्धेया पते' गश्रुट'न्निन'नेन'मुं संकर्त्र'न'कुष'प्रस्पान्। ग्वन थट क्रिंग प्रामुख प्टर त्रोभ प्रते वर्षेष ठि'रेग्रायागुर्ज्ख्याया विस्रयाचेते'त्रम् नर्ग्रेया नेते अर्कस्य प्रम्प केंद्रा मुं के ने प्रमुद र्श्रेया ग्रेम'मर्केन'म्रोनेस'म्रोभ'न्या'मेर्स्र'तके'सेन्'ग्र्नाप्रे न्यातःक्षामु न्यन्यम् प्रमः न्या भू केंते अन् न्त्र धुंग्या के स्वा स्र अव गानेया क्रेंचगक्रंन्ट्या अवरक्ष क्रेंस्टा यर

तर्चियाः स्रेयाः श्रद्धाः यार्चदाः स्रोदाः न्यां स्राभुः ग्री तर्यश्रिष्याम्याया पर्यात्रा र्राही र्राहे म्नेट र्सेग्रास्य सुप्तगात केंद्रा त्यात विया यासुट्रा रा क्षरायरापष्ट्रव प्रति गवि हेव र्शे वर प्रो र्ख्या श्चित्रं यो द्विया पा द्विया व्याया द्वित् या अर्हित् यो प्रत्रा अर र्था पश्चित्रा चिट क्य सेस्रा र्ड्सा प्रात र्ड्सा गितेषाग्राष्ट्राङ्गेटाधेगाः काञ्चार्क्षग्राष्ट्रीयाषाञ्चेटाञ्चाञ्चे। यत्र ग्राम्याक्ष्याया में हे हे या प्रति क्ष्या तित्र गन्रमान्यां अर्हेन् त्यन् गनिषा श्रुना वनमागुन यम्बायवाची ययात्र्याः भूयायम्यायवा नत्व ग्री नन् केव अव नवी इ त्युर क्रेट य नगात अप्यव ग्राशुक्ष। नेव केव गानेन कर्हि निन्द बिट्रायुट्रायुठ्यायाठ्यायान्त्रायाद्यायान्त्रायादाकु

यव गर्यायाया है दार्घ गाया प्रवेष कर्म महिंदा नित्व श्रीट क्र गांत्रेश । जिट गांत्रे र भ्रिट । पांतर क्र र यव गरिया तहत र्कें व रें प्र्यायव गरिया हा प्रते मु ठव ने र ख्र यव प्रवे क्षेत्र या ने र थें प्र ह्यायायव पति श्रुपायप्यायम्प्रायम्प्राय गित्रेषा गुत्र'ग्रेग्रेषायायायाद्वेत'यहित'ग्रेत्र' य्त्राङ्ग्याराप्ता च्यातात्र्याक्रा अर्केग म्ह्रेट गिन्र केंग थेंट्य हैंग्य कर ग्युय कुन् हो गाव पन्तरान्यूयायाठेया या यात्रान्यतः क्रिं हें राष्ट्रिया केंद्रा या होत्या का भुति । ग्रींट अ श्रिन्ट दें र केव नगाय यस्य अराहित कर याठिया क्रेट्य सुट्य सुट्य सुट्य सुट्य स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय सुट्य स्ट्रिय स 

ध्या मु केव र्या ह्याय केव द्याय ग्रे श्वेद श्वेद ग्राट श्चेंन अर्थेन स्वायन यात्र पार्थे ने न्या यो भ्रान्य राष्ट्रा स्थाय राष्ट्री रहे स्थाय राष्ट्री र रहा । विग्रामा है के दारिय प्राप्त है मा विद्रास्त विद्रास व स्टा मुन्येयान्ना हेयास्य केंग्या केंन्ना र्शेग्राष्ट्राय्यातकन्द्रम् देग्रायाष्ट्रप्याप्यान्यान् यावटायार्थ्यायया याववाष्ट्रस्याराष्ट्रिया न्दायार्ष्ट्रियार्क्रेयासुग्युरायागृत्वात्रयायोग्यहिता किटा विवादार्सिकायाधीयो त्वादादे पर्सेवात्स्वा न्ना वेवाकेव यथा ग्रेस्पान्यापाय्याया न्यवायाः श्रीट्राची भ्री वया इया नगर श्रुन पार नि न्वो र्ख्य क्रेंन यो क्रिया प्रते हेत रठत यान्यया वरा र्नेव प्रावित पार्यायायार्थ र्येत स्ट स्ट ह्या केवा

न्नात्रळ्ययायम्भेवाष्ट्रिययाय्यन्तिम् क्रियायाया रटारटायो थि। द्या प्रहेत ह्या त्रयया थेत र्सेग्रा ग्रथम् क्रियाचग्रायापाप्यापाप्यापार्याचार्यायाच्यायायाया सहिता यीयाश्वराष्ट्रयाश्यायायक्षेत्रातार्र्या येट्रायान्याः भूट्रायोषाः केषाः भूष्यवतः यथाः पायावाः न्यकारहें व ज्ञिय क्रिंट निते अप्ययान र्जुव न्या पते ८८.क्षा.८८.वियाया.यभुट.कथ.८या.पा.सेया.तर. न्ग्रेषाप्राच्या उत्तामु केति केषा भ्राध्या प्राप्ता र्ये मार्थे वा ग्रायम्भेटाश्चाया अवतः सटा सटा ग्री केंद्रा प्रकृताया धिन् केषाग्री नेषा प्रषा विषा प्रषा श्रीयापा स्थान् तर्नेव पाक्षणायतम् र्जा र्जेते भ्राम्या गुप्ते व्या अर्ळअषा पकुट्र तहेंव ग्री क्या वरा केंवा ग्री के पा व'व'ध्या'पवेष'प्धप्रार्थेव'वेप'पर्यस्याष् या अद्या विदार्शे र्शेम अपदिषा प्रमाप्त प्राप्त होता

पर क्रियापवारे पर हैंगवारायर पश्चर बेट छेता स्वाप्रस्तियान्य अर्द्त श्वाप्रस्त स्वाप्र यव र्कुव गर्थे वित्र राम्य राम्य र वित्र के कुट मेरा न'न्न। रूट'शुग्रायान्वग'न्या'अ'ग्राय्यर'र्रेभ'कुट' ग्र्म् प्यम्बागुबारे से हेन् प्रवारे से प्रें से प्रवारे से वारा क्रमान्ता क्ष्मान्तरम् अपान्यस्य स्वानास्य ष्ठिर क्यें कें क्रांत्र वारा वारा क्षेत्र तर्देवाचा होत्या थेगा देना वड्यमाधेगार्सगमानेमार्कूना बेटा बेट र्धेर छेट र्स्ट्रिंट पायसेय छेट ग्री रेग्याय गह्रवाक्षाक्षा नगताययाग्रहा देहासह क्रिं स्व होग्रायास्य स्वाप्त हो प्राया होग्याया से वार्ष प्राया हो प्राया हो प्राया हो प्राया हो स्वाप्त हो स र्चर्षे सेते कुराय क्षेत्र से त्वूर प्रमण्या प्रविवा प्रष्ट्रवार्श्वराष्ट्रियायायाः स्वयाः स्वार्थः है। या भी बिरायाधन कराग्रीपायाक्षा ग्रुपारे बिरान्या केंगा

स्यायायव र्द्धव स्थाया नया सेव रयन सेट रदि वे गञ्जरागवराणे स्ट्रांस सुना क्ष्मा मुना होता धर विया गुव ग्रे वेष कुन पन्न ग्रेष पक्ष व पर्यापष्ट्रव पावट प्रचिव प्रापष्ट्रव सेयास्ट न्युयायो'यविर'र्सेट'व्यापष्ट्रव'पिते क्रुव'न्ट'वर्शे' नते'नने'भ्रेन' शुर्र'तु अष्ण चेन 'तनत' विषा'षी' शुर् तर्गे निम्मे के यम यह निम्ने प्रति र्शेया तर्ने न केव दी तस्याया राते या या पत्याया नियाया स्थया न्ना नष्ट्रवायहेंवायायायानारेयार्चेवान्यायोवा न्धन्यशुरुप्तयाप्याप्त्राचान्त्रा क्षेत्राञ्चनः नुस्रमान्त्रेषागुःशस्य म्याषान्तास्य स्वीयायो सुना तन्यायम्य न्यायम्य प्राप्त वर्षेत्र त्या स्याप्ता गरोर व्वायाय प्राप्त स्थयाया कें भ्रिते स्था हैं गा गोरा न्धन् प्रमायदेन पाने मानि निम्न स्वाप्ति ।

गवन भेना नेषान स्टार्स पष्ट्रन राग्र में भेर व्यायापानेते सुगुपायानेया नेया भेग में प्रति । व्यययाया ववर्र्प्रहेंव रेट ज्यम येव हैट रें र हिट रा वेव मु लेग्या देव गुट शुच अवत गुव ल हिंग्य देश ग्रें। त्व र्हेग अवत प्वार्देर ल प्वा श्वर श्वेंट पा ग्राथ के'बेट्य देर'अ'बट्रेंरेंश बेट्र'यंदे अर्दे श्र्यायांगु ग्विट्रियोयाः इस्रायायाः प्रायोधितः सूट्रियाः विप्राप्तः यहत्यात्र तकत् विषयान्तात्रीयार्क्यात्र सेत् न्गायार्शे र्सेन भून्यासु न्नियार्थे प्राप्ते प्राप्ते स्त्र अर्ळर रुव रे प्वग्राय भेटा अवर प्रच्या गुर्देव पति क्षेत्र नेति में वाषा शेवा नि के ना वर्षेत्र पति क्षेता निन्नुरविन्धियाप्ययाग्रीक्षिन्यं र्ने ने गुव थ कुं अर्ळव ने वारावा प्रांते भूटा पा

रट्यायाणीयात्र्राचार्यायान्वीयापानेवानु त्यान्नायोयाञ्चा क्षेत्रायो ञ्चारा द्वीयाया स्या यनेता कें कुर प्रा पकुर प्रायव कुंव श्रुण्या वर अध्व बे अध्वाध्व ध्वाध्यार्क्या अध्वार्द्धि पार्य । मुव 'त् 'त्युर' न 'तेंद 'त्गात 'नर्या श्रम् रुत् 'व्या पष्ट्रव'प'वट'सष्ट्रव'त्र्यूट'व्यक्ष'रे'सर्ह्रद'व'पव' के क्या तर्देयया प्रमाय विद्या गुर्। क्षेत्रं सेर अपन्य गरुर स्थागतेषा हैपारा केव येन प्रेन प्रवित पुण पान्य अष्ठित पर्से वे केव र्यात्रज्ञयाः ज्यापा अष्ठितः श्रुयः रयः याययः त्रापा गाः विया से पुरर्भे यात्रा आपन ह्यूया प्यया के किया अर्केन क्रेट द्वियाया या श्रुति र्चे चट प्यया यो प्रे केव याव्ट त्या दिराक्षेभियाये अपवावाविषा स्वाया वृ

येड्दि'ग्राचेअरा'र्देग'न्न'न्र्डं'न्कुन्'र्त्रे'केद'र्रोग्रारा राश्चा भ्रावित्रां रोप्ताप्ता प्रमान्य । मुगःश्रयातह्यासर्वित सर्केषाः श्रुयाः तत्वा केता रेतः र्रे के सेंग्राय प्राय पक्षा अवय प्राय विष तहस्य न्यय रेया प्रेत्र क्रिंग्य गुव क्रिन क्रिंग हे इन्। बे नगागी ये भूनया अर्गेव। हे के र नगे स्या अर्केया शुला वीं तहें तर्वीं तहे व शुला भी श्वीया न्यो'ख्यायार्ध्यायार्गोयायार्केव'नह्नव'त्रहेव'ग्रीह्नेया केव 'स्ट्याचीयायातचीत्याचीयाश्चात्याचीयाश्चात्याचित्राचीया ८८। कु'वग'र्गे'शेव'न्र्रंगे'गर्डं'दहेंव'रूररे' र्ड्याष्ट्रेव पुर केट 'ट्र यादव 'वुय 'च्या याद 'सुव 'सेव ' ग्रीमायायाया वित्री वित्री केव नगत अन्तर हिरामिश्रम्भ क्रमा हिर्मि क्रिंग हिरा हिरा वट केव मुल र्ज्ञ । त्र्य श्ट्रेंट्य केया मुल र्ज्ञ ग्रा

गुरायर्क्षत र्नि निर्देश केत र्नि केत र्नि केत र्नि केत रामि केत र याटाचया अर्क्रेया प्रथम ग्री ही ह्या अटा छेटा प्रश्नेम पा रेवासु'मः कर्प्यते ह्वेत केंग्याम्यायया यहारा श्चित्या त्यापायदी नेता गुण्या मुन् स्या भूता स्या गुट्र ध्वाराश्रयाद्ये अस्य अर्केषा श्रूया देव दें के वर्षा नश्रातर्क्षभाद्यानेयाञ्चरान्य विवादार्येता पर्डे हे के यो क्या पर्वेयाया सेट ट ट ट खे अर्थिट तर्क्रभः सूर् 'ग्रवर 'र्ववे वर्चूट पर्सेट् इसराग्रे केंग्रायायाया भें द्राया वयानश्चनयापते र्ख्यावे। नन स्या खन र्वेषा शुषा गशुमाञ्चार्यमान्य तत्रामितित्वोयाया ग्रिट हेगा अप्रअग्रिट क्रेंट ग्रेंट ग्रेंट

ग्व्रक्ते द्वर्थाणे स्प्रंप्य र्या विष्य हात्रम्या विषयाहीः स्वायावाद्येया है।विटा स्ट्या वयाग्यम्यविष्या देम्यम्वर्षेत्रं स्थायम्य मेन पार्युम के मेगा प्रम् म्यू पार्यम तर्ह्या त्या या न्यार्शेयात्रा हेन 'न्नित' पान्ठत्रा यात्रार प्रवेत्त्रा यावयःश्चित्रस्यस्य प्राच्यास्य वित्राःश्चित्रः तह्यायायावटायते सेवाययाटा भ्राययायाटा मुयासे वट'गुव'रु'दर'कुष'हुट'दट'वहुट'चेवव'य। गुव याचियायायी पु रेव रेंग के भ्राया मेयाया वया हा तशुर पश्रव पाये पश्चर यावया गाः र्थेया हैं हे यादव ग्री'नष्ट्रम्'राष्ट्रि'भ्रे'भें पर्टे'स्रम्'ग्रीचेग्रा ने'भ्राम् कुन् भेते पन्न श्वाश्वापष्ट्रव कें र स्ते श्वारित श्वार स्वार श्वार स्वार श्वार श्वा म्मार्याप्रवास्त्राच्यायात्रेराचित्राचीः तुस्रा

गर्भाग्यत्र भूगाव्याम्यावे स्थाया स्वाया स्वाया ह्या व्यास्या व्यास्यान्यान्यस्याः यह्यार्भेन्। व्याळेवाक्षापराहेवान्यरा परुषाग्वास्य प्रवेट्षाया भुपा केत्र मेंग्वाया स्वाया ग्रुअ'ठव'ग्रेर'न्द्राथ्य'य्युव'प'प्ठय'ग्र्रं कराहानितामुनाह्याह्याम्याम्ना क्रियामुयाह्या न्योषार्श्व न् भुँ मात्रम्याषायाव्यायान्य । ळगा शुरापा ५ भिटा श्रुपा शेरा प्रश्राचा राम्या श्रुपा न्यायायर प्रवेट्या श्रुपः युः युः युः युः युः युः युः युः नष्ट्रव 'रा'गव्या'ग्रे'नर'न्व्याय'रादे'र्येग्य' वेग्य' क्रिंर'तहवायायाव्या नुस्यायावेयायास्या तर्यश्राम्बुर्ग्स्य स्वर्थः मुत्रेत्र स्वर्थः मुत्रेत्र स्वर् पक्रुन् भूर योव या पव्याया होत्या रेर यो पवि रेते। युव र्कं प्रवा रें प्रें प्रमार कें भ्रम र्कं भ्रम र्कं भ्रम

ची.योश्चर.पर्ह्या.जा.श्चेयायट.र्जर.लूट.की.पश्चेरी श्चित्रां पूर्वि श्चित्र त्यु प्रत्य श्चित्र यार्थेया पठराया अर्केन् मेंग्रा हेन्या सं क्षेत्र तह ग्रा नुस्या येत् गर्रं नें अष्ठित गेंदि अर्केग गर्यु अ ग्री चरा गिरेर गर्रे र्ने'न्न्। वर्चुन्भून'नकुन्'वेर'हे केव्'र्ने'नकुन्' यात्रचेयात्र्याः श्रूपाचेत्रारेरायां स्थानेता सुवार्क्ष ठवा ग्रीचेयापटाक्रेटायाक्चायक्चेता न्यास्रिये सु पिट्रिट्रियापित्रेयाचियाकुट्रियापिस्यायाचिर याग्यम्यत्वेत्या भ्राग्निय्यत्रित्यान्वेत्रप्त हेते द्वापट हेग्या विचया अर वट यो हेव याशुया र्धेट्यार्श्यायायर प्रवेट्यारेव वटा ह्या येता प्रा द्धेते प्रयाप्ताप्त हेत् प्राप्त प्रदेश प्रयाप्त विषय पर्वेट्या ग्रार्ट्स्नार्येन्यवेट्याप्त्रा ग्रोरेर चेषानुः हो गानेषान् कुणान हेषा पति रोत् नेषा हेंदा

स्यमुःस्यायाष्यरः प्रवेत्षा अर्दे । अर्दे । वर्षा सुः नम् भून गुः भे ग्यायर प्रतिवायापा स्थ्यायत्र अपिव 'र्चे प्रप्ट प्राचित्र संवित्र प्राचित्र विशः नर्गेन् र्सेग्रायाणु नगत देव द्वयान समा ध्रायान्य पाक्षायाष्ट्रेव पश्चा प्रवाणर्य श्वा केव र्ये क्रम्भागुन्यकें निया सुरम्भ कर्रा स्वाप्ति केंन्र हो। प्रया भा स्याप्तम् प्रमा न्यवाया मुवाप्ता स्वाप्ता स्वाप् वत्रा देव केव देश वग केव कें। यद नग यटार्ड्डिमा मेलानगम् अर्केन मेना महान्यया नश्रुष्य र्कुल प्रवेष स्वा लेष प्रमूर प्रश्रेर पर्रेषाय ग्री ह्येव पन्द अर्द्द प्रमास्य अर्केव हे पदी निप्री अर्द्द पात्रवाधराकेवार्वेरासुदासुवार्वायायाम्परे रे'प्रवेव'प्रहेंप्रें'व्या पर्ने'प्यार्थं केर'रू'प्रदे'

गन्व संहिष्यर नुग्वास देन धेव या नग्न ग्रम्यार्थ्यार्थ्यार्थेन्य्य्यार्थ्यं व्यास्त्रात्र्यः तुन् नश्या नन्याध्यायान्या द्वापा धरावर्षेगा इराधटा याशुर्गप्राच रूप्ति तत्र्या र्ह्या ह्रम्भूम्। तस्याषाध्यायाः वेम्षायात्रेषा यया ध्या स्रमासु पात्र कैंग्रायतिम्। पष्ट्रव में आ क्षेत्र यथार्रेग्रायावम्। याटार्ट्राचें वाराया वाराया वाराया वारार्ट्रा वारार्ट्रा वारार्ट्रा वाराया वारार्ट्रा वाराया अह्याम्बुटार्वेष। विम्याग्रेषाप्रियापते भ्रेष् तर्राया कर्त दिव स्व द्र अर्हर दे। ।दे द्रा वीषा ह्यव केंद्र स्वाध्य स्वर ख्रा चर् प्रमुव वया न्वे खुव क्षेव वन निम्यायन प्रति द्वा धर छून विन्त्रीत्व हिराणे मेरात्वापिते ह्रतावायात्वा वर्चित्र'च'क्रम्याणु'र्ह्चेत्'स्यायम्यानेत्'रुग्'सेत्'

न्ध्रन्गुरून्यपायन्ति निन्गु वरान्यपायन्य इस्राध्याप्ति। प्राध्याप्ति। विद्याप्ति। विद्याप्ति। विद्याप्ति। विद्याप्ति। विद्याप्ति। विद्याप्ति। विद्याप्ति। र्केन्। ग्रेंग्राञ्चनाष्ठनाय्यार्ठनाय्येग्रेंग्रेंग्रेंग्रेंग्रेंन्र ह्नित्यर पविवाय रेट वायट प्रते सिवा स्रिया नष्ट्रम् अप्यान्ये भ्रम्भे स्व से के वि स्व मानु वर्चेर'न'क्रम् होने'केर'ग्रेम्'नम्बाने। आपवः गुव'न्यत'न्न धुया'योषा'न सुर्भेया'याषान स्था र्त्राच्याचगातात्व्यायायायायायाच्यायाचेता भ्रा केंद्रे श्चन्यान्यायां नेयाया सेयया नया स्वा निया स्वया क्याध्याकेवार्थ्याप्याच्यायाच्या गुःवदा वया विवादियावर्षार्थ्याद्यार्य्यात्र्यात्र्रा क्षरात्व्राष्ट्री हा (राते केंगप्या हें व्याप्य केंगा क्रूट्रात्रम्थार्द्ध्याच्या स्वापा केव वग रें भ्रिट्रायाष्ट्र गट र्डम पाष्ट्रित भ्रेट गयम

न्भुअ'गर्धेत्'न्मुट'योष'न्व्याष'रा'वेग्।अर्थेट' नुस्रा स्राम्या स्राम्या स्राम्या निवानु निवानी निव बेद्गोराखुषायायस्य गर्धिने व मु केव र्घेषा पर्वेद बेद्रपुर्याप्दा देविद्रपदेखळ्याः वयापवेः ध्या परु याने या प्रमास्य स्था त्राप्त विया त्र में निया स्था अपित'ग्राचित्र'भ्रित'भ्रित'भ्रित'भ्रित'भ्रित्र'भ्रित'भ्रित्र'भ्रित'भ्रित'भ्रित्र'भ्रित्र'भ्रित्र'भ्रित्र'भ्रित भूर'ग्रूर'पते'शुषा'त्रीयाग्री'क्ष'त्र'त्रक्षाप्त'वेगागे' अर्वेट तुरुषा भूटा यत्व मी स्रायने अर्केग् द्वुं क्ट्रेंव् रॉन् शुन् व्यान् श्रेन्य स्वाप्ति । नुस्राश्च्रा हेरद्राधेव नम्गादा व भुगाप्यार्केट्। ५५१ ययाट्यार्वेट्येर्केयात्रा यदे नहुव नम् न्युय नम् त्यु म्यू म्यू मिर् व्याळ्या०ळट्राराते ळ्या५ त्राभ्या पक्षा ह्रापदे में प्रमान्त्रा हे हा अपनित्र

तह्रमान्ग्रेमानुस्यायासेर सर्गाप्त वुर्सेग्या भु क्रषाञ्चे क्षरायान्ययान्य अह्यान्याम्। अश्वेतः त्र श्रेषेट त्रम श्रिया क्रें य कर्व श्रियाया गर र्से हें के के प्राची में ग्री प्राच्या है। पर तह्रमान्यभाषीर अर्देगा विभाग्विगा श्वापिति पा इस्रायाप्त्राचेयान्त्रस्यायाया गुंड। गुंड। केषय्यगुंधें ह्य क्षाना स्याकुन श्रव नकुन त्यात विया अहत। होन कुन वर्ष वेषा याके'विटा। श्रवापक्रिटार्सेग्रायरार्सेचावाश्रवापते। गर्टान्यर्गार्गर्भा वर्तः भूरार् क्षेणायराद्वा पर्च पर्ने प्रति पर्द भूति पर्द भूति स् अर्देगाञ्च्या वेंदानेवामु केंदा भुष्य केरा गर्ठरान्। श्रेन्ष्यार्यान्या स्वापिर्वास्य

त्रम्या स्वा हिम्या । राया में विषा हिम्या नकुन। ने अ वया त्र क्षित् ग्री नर्गेत् पा सून्। क्याञ्चेव ग्री शुका विया पु ग्रुक्त के प्राचित यात्रिं राष्ट्रेयाया क्षेत्र क्षेत्रात्या सुर्व क्षेत्र स्व क्षेत्र सुर्व क्षेत्र सुर्व क यायटार्। यट्रां यद्रेयां वियाध्यां मुयापायश्चरावया धिर पर्नेव पान्ना नेन प्रहेव श्वरापते न्योश त्रिंत्र'त्। तिह्या'रा'सेत्'र्यते'त्रस'त्रा न्त्र्यः व्यायार्श्वेन्यते न्वन्। यायन्निन्यः या यान्यन्य र्पे वृत्राच्या वृत्रा से स्प्राच्या कुरान्य । ह्या । शियासयाः शूरायहिषयाः तार्टि हिरायटा। यार्हेगास्त्रा नगनाग्वेयम्। साम्रेगप्र वे'क्रे'त्यायाषार्छ्टा । तर्शें प्रटार्वेट केट् गुव पु

हिया विदे केव क्या अक्या का योग विषय अनुसार्स्यार्योत्यार्योत्यार्यास्त्रीत्। विद्यार्ह्याद्यासारकेत् वद्या न्द्राचित्रं कुर्गे मुंदिरार्टे क्विंद्रायहर मुंखर स्ट्रा प्रविव शुरा द्रांगी'स्रा स्त्रीयारा'प्रस र्सेर'र्म्या'प्रर रटा घाषा परा शुरापते हो चेरा पत्रा व्यापताता स्टाम्यान्य स्टाम्च स्टामच स्टामचच स्टामचच स्टामचच स्टामचच स्टामच स्टामच स् शुराद्याः नुष्याः म्याः भ्रायाः भ्रायाः भ्रायाः भ्रायाः त्रम्। तयमःश्रुगराः नगःरीः श्रूमः में। क्षेक्र्यत्रत्व्यःश्रिन्ध्वायान्ययात्रम् गिनेरा केव तशुर केट हैं है भुं करा ग्वाचा तर्धिर। द्वाव यन् वृष्ट्रेव दें। गणमास्र प्राप्याणमार्थवः यत्रयापत्यार्वेताया वर्षेत्रातृ यो स्वित्रातृ यो स्वार्थ्या ग्रेयापर्भेरापाया क्रियागुयाग्रयाया अवरात्रांगे

इसमाञ्चायायद्वियायदे निरायेसमा द्वामी में में प्रा र्विग्राया विग्रायोषा महाया तुरा परि परि थे वेषा कुषा हें भे ग्राम्य अश्यावि में या राप्त स्टा भूटा य। विष्ट्रम्यराञ्चर श्वायात्र्रातश्वर स्वाया क्रम् अपित अनु अ जिम् क्रम् केरा केरा । प्राम्य वार्षिया त्रायेत्र्वेत्रागुःत्त्। विषापतेः सम्मा धे भुकेत रेंगा न्या नित्या अरा मुरा अर मा था हो स पर्याप्तराख्याष्यराख्या न्वीत्याख्या नेवा क्रूटाहेव'पाचटावयाटटायायवयायवरावया यद्रायां व्याप्ति व्याप्ति अवाप्ति अवाप्ति विषाण्या नर्गित्। यदीः भूरागित्र केव स्वाधर अहता भूत्रा धेव प्राया निया मुका रोग्या श्रूट भ्रुया या प्रदासेट न्। क्रिंग १० व्राप्त मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य मा गुःश्रदःकर। अत्वःअपरःहेःपर्ववःग्रागराःकुराः

नगरक्रान्झ्रेयानुस्या मेन्रानु छ्यायायया र्हे हिवायागार वार्षेव या देया भुः वेव पुः वायया न्यान्द्रियासुर्धेन् द्रुवाग्रीयाग्वित्रान्मुन्याव्या तह्रमाप्रमाप्रजुटाकुं वे ग्राटायटाका वृटाक्षुं यो रे छुं। र्चेर विव वया |यटया कुया गुव प्यप्या भु भे अर्केया णे मेरा भे हो रटा हुटा रा तहसा द्राया थे रा रोम्यान्यतायो । चित्राम्यान्यतार्वेटान्यटा पश्चरार्से विषाध्याः श्चिराप्तवयाः त्रुवा देवषा ध्याः देराष्ट्रां प्राविषायाठ्याः ध्याः यात्रेषाः प्रायः शुराने। ५,२,३,३ व्यास्थरश्चाश्यस्य स्थान्ने स्थान्य शुरा रेगापायहें वार्यानु राष्ट्र रहें वार्यानु राष्ट्र इटाचराअट्वाअपराघटाकुरान्यराश्च्याअत्या पवगार्कें तुम। सर्व भरा वरा मुला वे पार्से हे

ह्यायाणा देयात्रान्यान्त्रा ह्रेंन कुषाया होया नुस्रार्थियायाया। वित्रारात्त्र्रि स्ता न्नम्क्यायानुस्यान्यम् श्रुपायाणु। यार्धेन् से से म सी.य.क्या विट.र्ज्ञिट.प्र्यं.थेश्यायात्रात्री.सिय.सिय.ता. गरेटा वस्रान्डित् वित्राधेत् भ्रीय उत्राग्ने भूटा पा न्या त्रापानेते केंग्र स्वापा त्र्युपः श्रुरः ग्रेष्ठः दितः म्यूयः हे ग्रुपः न्नम्भूयायार्भेषागुषान्मायायाय्येता अर्ळत् 'यार्रेभ'र्रोयाया'ग्री'यार्रोभ'त्दे प्रचार्च प्रचेष' नुस्राता हे गुपार्विपाभ्रास्याप्याप्याप्या विगाञ्चेत् अर्क्षस्य वद्गित्र न्या ध्या गणमानमार्केन्स्यायमें। व्यापमानम् नर्द्रास्या न्यम् सेम् मुकायुकायान्। ने प्यम् विवायो सम्देश 

विभाग्रेया श्रिया गित्रेषा ध्रम् । श्रुम् । ध्रिया गित्र्या गित्र्या वर्षागुर-द्या-द्यार-तथर-थिट-याशुक्ष-श्रुका-रूट-याचिया यदादे। यापतात्यां शेष्ट्रम् सुरा देंदा नेरा क्रिंगाम्मा यम्गाव प्रमाय प्रमास्य मुव बेद्रान्तुः भ्रुः विरार्चेषा धेदा म्या एवता शुरावद्या राया विभायान्या ग्राम्यत्यात्रहें वा भेषाया क्रेंट्यायायाय्यायायाः क्षेत्रित्रे प्ट्रियायायाः विवा इंट-उंट-र्विग तश्रुते नेषा पति धेट-दर्धेट-पक्षर थे अर्देव पाधिव निषाकी क्रेंपिई षा पृत्रें हैं। ह्रा १०क्राग्रेग्ने इत्र भ्रायमा अत्व अप्र रहिग्रा येट्रम्नेट्रप्राथाळया ध्याःश्रूपयाःश्यायाः न्यूयाः क्षेत्र प्रमु क्षेत्र रहेगा व्या र्घे रहता थे केंबा गुवा चुवा पर्यास्त्रयाः केरा तकन् स्रोग्यारा रता ख्वान् स्या भ्राधि विव पक्षपार्देप विष्टा प्राधि विष्टा स्रि

ह्यायार्या ध्वाप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र मुन्यायाः इययाग्वयाञ्चयाञ्चियाने चित्र क्र्यायञ्चरापादे सवर रदाय वेसपाद्दार रासुय रेंद्र भूग रें। र्डेष्ट्रते प्रचित्रशक्ष्म शुरापते वरातु आधेगा दे यशर्ति । श्वीत्रम्यासम् तिन्ते । स्नाम्यासम् ने लट्रियायास्त्रित्यायास्य स्थान्य स्थान यम्। विषानुस्यायष्यायद्वायायदे यह्वार्ये के। विष ह्याञ्चार्था । यहायी भिर्माण्य । यहायी भिर्माण्य । यहायी । व। विवर या भ्रेविषा प्राचिषा विषयाया थी ययमायविमा विमानप्रमा विमानप्रमा तरी ।गुव अष्ठिव न्ना अते प्ये मेरा ग्री । हैं हेरा गर्वेम्यान्यम्प्रम्प्रम्या विष्राव्या विष्राव्याः भ्राया रें हे तकट क्लें गिरें निया प्रकें या त्रष्वायान्ते सेयाग्या न्या वर्षेया तन्वया भुर्थे

गायात्रुव्याचित्रा श्चरायदार्वेद्यायात्रायाः मुन्तायाः र्देन। ग्रावयां अदापदा कुटा दुवियां यो वटा रो ज्ञिते हो। या रेंहे तकट रच हुट यो क्या पह लु यारेंगि यटार्क्ट, में याता यहार हिटासे या श्रीया क्या राष्ट्र सी गणमा केंट्र हे रचा तडिश्या ग्री तही पड़िया रा विग विगार्चितावाष्ट्रमायते सेन्। सन्वासामा कुना होते न्गुभाविमाम्बान्याकेनाम् भूयानभ्रम्यावे सेवा या स्थान्त्रेयाक्षात्या देख्याक्रियाव्ययान्द्रा नुअन्तर्ने याययः र्रे वियागुर्म् अन्ति। यायर न्नराष्ट्री विग्रानेराणे ख्या कु द्वरापा ८८। भ्रिंभशावियायाःग्रीःयट्रायार्य्याभ्रीया न्नन्नेयार्भेयार्भेयार्भेया वयार्दिन स्ति र्योद्दा हुवायाया हुन र्ववावदात्

क्षश्येयाःस्याप्रिंदायान्त्रेययावया व्यास्रहे तकटार्ट्रेव रॉन शुन वयानटाया द्वेयापान्टा क्षून यटाने दागावया विवाधवा विवाधिया विवाधिया विवाधिया विप्रवाग्य स्ट्रिप्या उव अत्व अप्य अप्य र् व्यव निष्य र्चे अपित तर्में इस्रायान स्नित्य र्ख्निय रोगा स्नेग्या नमः इसमागित्र वसार्केमाग्री नित्रार्थे भेत्र पति न्नुगर्भान्नुम्स। त्रुः संस्वायहें त्रावें राच्या म्रेग्राप्राप्याप्राप्य प्राप्य यट के दागा देर शुर वया दयत र्चे यापत तर्शेया नर्भेर नर शुर परे प्राप्त क्ष्य अप अप किया देवा धुन्र्ज्यान्रः रेगापागृन्येन् सेन्रु सुराने गुःह। क्ष्योज्जा यट्रां अक्ष्यां कृट्रात्म्यां श्रवां मुवार् ग्रायायम्य नित्रा नित्रार्थेन स्वा हे अष्ठिव पहेला भुं ने पायका ने पकुन पहेला परि

इयाधराधेराधुयान्याने वामेषाध्यापान्ना स्वा यत्व यापर भुं ने पार्शे वगार या पार्शे न् नुं हिर र्कुग्रायत्त्र केता वहेग्रायायु उद्ग्या ग्यायानु नज्ञून'व्यान्'राम्प्रीच 'यत्र्यान्'राम्प्रीव 'यत्र्यान्वम्' वैद्रायास्त्र क्रियातुस्र स्ट्रियायाया स्राया र्देश्यम्याम्याग्वाम्यान्याम्याम्याम्याम्याम्याम्याम्या श्चु या अर्केगा पदे केत अर्केग यो गुप होता य। क्रियातर्चेरागुवापन्याखेष्यार्देश्वेषायासुन्या नित्र वियायागार पर्ते अर्क्या वियाध्या कुरापायार्डिं त्रिंत्र त्रम्याप्त्व्यायाप्त प्रत्र देश्य स्टायीया क्षे यार्नेशयटान्यायोः मेयानदे नाकेवार्यदे न्यया क्रियात्र्रीमाञ्चायात्रात्र्री निर्वाति अर्केगा यन्या मुयागुन मुंग्यायन प्रति तर्नेन हेन य। । यट द्या ये नेया प्राचिया योषा तश्चा पर

यहूरी । श्रुयायाया अ. थे. थे. राष्ट्रा ही राष्ट्रा गुट्रप्ते अर्केगांगे भूर गुर्प्यार्य रूट्र विया रुप्ति णे मेर्या सेस्या प्राप्त भू भी प्राप्त मुन्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वा ग्रम् व्याधियापर्नेवाया स्टाख्यापर्ने धेवाबेना पना पर्ने अर्केषा यो अपत्य पार्यन्। नुस्य पित्र केव र्येते प्रचित्र त्र त्र व्या अया र्ये अकेव पा रेंद् वर्षे निने ने निम्म की श्री मही मिन्न निम्म निम् नर्ने हैं नन्यान्यान्यान्यान्या व्याप्ता विर ये। नगनानिवास्यस्यरानन्निः स्ति कुत्राग्रेगः गैरानभूरानिरास्त्रा द्वासार्ते भ्वामीराष्ट्रमा कर्न्निम्बासुर्धेवाराम्युम्रे विवादान्वर् क्र'नते'लअ'क्ष'व्राक्ष्यं कुंन्र्रिय'गुन्तेन्रिन्नि'य नेषानुस्यान्य धुःर्रेशान्याम्ब्रम्यानुस्यान्यया पर्नेषाराक्षिरारेट्रायाचा न्नाग०ळ्ळागुप्याष्ट्राष्ट्रवा

त्। वटामुगप्तरा क्षापर्वंवाववावातात्रेषावा बेट्र पानेश गुर्भा ने दुरमादे करा ट्यट्य सूर पदे श्रम्या क्ष्याग्रीम्यायिः स्याम्यम् क्षांव्यवायाग्रम्। ह्रेव क्ष्मिय्याग्री प्रम्यक्षेव र्धे विगागुरानुरा न्वरागुनाराते गान्र र्या अङ्गा भ्रम्य। रूटानेटानेटाईवावयानेयापाययान्य वैव प्रमा अनु अपविषा भुष्ट्रम् यो प्रचित्राया ग्रीचेर प्रशा रेगा प्रहें व केव र्पे भु प्रोप्या श्रम तर्नाता स्वाचन प्रमापा गर्रेल'न'न्ना ध्रम'मित्र्रेष'ग्री'न्र्मेन्र्य'न्न मेर्ग्रम् नमां निया विया में निया में नि ग्वन थर न्र्रा म्रा ग्रेंग थें न द्रुवा थर का देवा नित्। विवायामान्याक्षाध्याः श्रीयाः श्रीयाः मिता स्त्रीयाः भिता प्यम्बेयप्प्त्य सङ्ग्यप्तर्मेन कुर्वेग्रयन्य

र्चरायुषायायस्य गोधागित्रेषा जुनायान्ता तुराया यदायरशुरान्। दियासर्वेदाने रेपेनेविदायहेंदा प्रस्थे व्याग्रम्। द्वाग्रे श्रेम् र्प्या स्थाने हे र्ग्म यत्रे स्याधरापविवाचपार्थे हे पक्ष्राणे प्राप्त ब्रूट'र्ख्य'रुट'व<u>र</u>'प<u>र्ह</u>ेर'व्य व्याः अरः इः तशुरः द्वेटः अतेः क्वेरः या ग्व्राकेतः यम्यामुयाधे नेयायय। इमायमुमायायाया क्रिंशभूराष्ट्रीयत्। ष्वित्यरम्भूत्र्वित्रायत्राणीः क्र्याभूराल्ट्या ह्याया हा हिराने पर्वेटा टी. यायवी भ्रमास्व मुमार्गिर्हिश्यित भेषा पश्चर प्रेर क्षा ठव यश निष्टें पर्वे पर्वे प्रात्ते प्राते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते ने न मुन्य प्रमायन न्यय भूय से स्वर्थ न्यतः केव र्ये 'यया कुन् 'ययाया तह्या न्यया कु न्नन्नमुराग्यम्। गिनेरास्रिरास् भ्रेरास्

क्यामुयायया यद्वित पर्से में एयते भूत पमुन स्र प्राथम् अवतः हेव ख्व ग्री देव खेव ग्री ने स्थित स्त्राङ्ग्यायायवारायायात्रात्यायात्रात्याः न्गापते भूमानम्। बम्बासम्बाप्तया ग्रीमे वित पज्ञ'र्देन'ग्रे'मावय'धरासु'यव'मासुस'सेनरा'पर् गु'रु'पज्ञ'न्देर्भ'गु'रुट्'श्यम्। न्ट'र्पेर'ञ्च'म्यम्' तर्षाग्री नगर केवा गरेषा पर्ग नग्व श्रेते न्नम्न यानेराळेंबारीन् अम्यो नगायापान्। गशुअ'धर श्रुव'ध'पगर'पगुर'गुःद्वर केव' क्षयाने नक्रिन्न यायव। यनतानन्यान्तराने या व्र्याचित्रां यायादायेते प्रात्रां प्रात्रातः नकुन्गी'न्नम्। स्र'पदे'न्नमळेव'नठष'ते' नकुन्-न्यायम्। देया तहेन् मेन् हेम भया

र्यूट्यापाचटावयार्ट्या के श्रियाश्रम्याना के नक्ट्रिन्न्यायम्। आपम् र्स्निन्रक्षायासुम्यायम्। र्स्स गशुक्रामी गन्न प्रमुक्षा ने गनि र केव हैं है। ब्रीट पायय। रट याने र थेंट्या हैयाया द्रा केर अप्ततः तर्गे 'यया दे 'तेद 'ग्री पानेर केंया भूरा यया र्याभ्रेटायायया हास्मित्राची प्रामित्रा अर्केगा गुराने केता मेटा पायया शुराद्या कें न्गरमी न्नर्प्त्रम्र इस्राचाचाना प्रकेत के अथ्यया होग्याप्यायां निग्यायां निप्यायां हिंगा तहेंव तहत केंव क्रेट रें यथा दर्गेव हैं प्रदास्य या वि'र्ति'र्सेग्रायानेर'र्केश'अट'रीते'न्नट'नश्चर' ने नकुन्न्यायम्। ई'तन्ते तहस्य सर्वेन गेनि श्वभाषा न्यापते श्वराच्या नेव केवा गिनेर'अर्हिन'ग्रे'नरुन'हेन'स्'ग्रुअ'र्केष'शुन'

र्शेग्वरागुं। प्राप्तान्यम् राप्तान्य पार्शेग्वराप्तान्य या गुरासे। ত্রিব'ব'ব্ব্বামা गाँतेषापाँ छे । तशुरागाषर । यदि । केषा भूर । या न्नर्भें ने न्ना अर्दे हे तकन नेन न्या वर्षेत्र कें पर्ने अर्केग प्रमाश पर्ने प्रमाण वर्षे अर्केगायनायुवान्दानेते हेव न्दानहेव पर परुषापति प्रोभातिम् मी प्राप्त स्रूट यद यद प्रवेषानित्। याववाधतास्युपाळेवावयार्पार्स्युपा न्ना क्षुंन्या इत्यत्र्वेरान्न्याञ्चाक्षेत्राक्षाक्षाक्षा य। हि'नर्दुन'ग्राग्राया'मुत्य'सर्व। ग्र्नार्श्वेन' गर्दर्पामु राषा ग्रुपाकेव वराष्ट्रिरामुयारी हैं। वटा है 'पर्दुव 'क्वेंया अर्घोव 'र्यया या प्राया प्र म्त्रायम् अक्ष्याः वी प्राप्ता प्रमुत्र प्राप्ता होत् क्ष्या व्याप्ता वित्र स्वाप्ता स्वाप्ता वित्र स्वाप्ता वित्र स्वाप्ता वित्र स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व मेव 'मु 'ग्राम्य 'बेट 'हें 'स्ट्र 'स्ट्र 'सट 'हें 'हे 'प्रमुट 'हू

ग्रम् हें स्यां भ्रम्यां भ्रम् ग्रेशपङ्ग हे पर्दुव में हे क्या वर्जेम आधार यहता ब्रेट विव स्वियापा वियापा सेंग्यायापव्याया गित्रेषापाने। न्नायार्सेहेपकटानेटार्स्यावर्धेराष्ट्री प्रथा श्रुच न्वर हे ने ने ग्रेष विया प्रश्नेव पार्टा न्नन्यभूराय। ब्रेवाग्रेषायङ्गयषाय। न्बेराबेन् त् शुरापार्शेग्राशिवानु अमा न्याया में हे निमा नन्या सेन झ सें पर्छ खेते वियायां नेया स मेन होता स्त्रयापविषापाद्या प्रकाळेवाणाणाङ्गारायाषा गश्रम्मण मेन में के लगा तर्म गंगे पश्रम हो मार् न्नायाम्भाराकेवार्यायम् ययात्र्यास्यात्र्याः पदुःग्ठिगा न्नायः प्रयापार्येष्ट्रात्वययः मुखायर्वतः यया ग्रेम्र्रप्त्राप्ता ययात्र्या कुत्याकुया

गुःप्रित्यार्श्ययायायाः है। त्ययागुः हैं हेते केंया क्रेंत ने'नकुन'न्'ग्राया ग्रुअप्यंत्रे। कु'ग्राम्'कु'र्श्वप'र्प्व'य्याम्या'ये नेयाविययायया गयरात्र्यात्ह्यापते हें हेते न्नम्केन्नम्। ।ग्रायम्यन्यःकेषःभ्रम्भेम्ग्रीग्रायाः चर्याम् यात्रवाष्ट्रा यात्रवार्थः र्व्हान्यः यात्रवार्थः यशगुर्। ग्रारात्र्रायह्रायदे दे हेते प्रार केवा दॅरकेवर्से हे तकट गुवर्पणय प्रचर्धे लार्श्यायाना हो नियलायायन नियत्या स्ट्रिंग स्ट्रिंग भूरानु पक्रा पिवे पार्वे। श्रुपाळेव याये पित्र पहीं याया हैं हे तहेग्राचेत्ग्रीप्तप्त्रम्यार्भ्यार्भेयार्थेया छव्यप्ता

ग्रिव हेते ग्रिन्गु न्गु भ्रत्ये भ्रत्ये प्रम् श्चित प्रह्या प्राया प्रमेष गाने व र्शेग्रायाया तहस्यान्ययायिवाहेते।न्यनान्ना कुनासुना अव 'दग'यो'गद्यथाग्रह्र'द्रद्रिंचठ्यादावियादा है। न्ययः हैं हे यहेग्राचीन ग्री केंग्रें में ने ने नुन হ্ৰাম্ব্য श्रपात्री र्रे. हे. स्र प्राप्ट्रापात्रा भ्राण्या ह्याषाध्वान्वाद्वेवायषाग्रीप्तान्त्रम्याविषाया קרין מרימקיפריפלויני ביוליני न्नन्नुरार्दे अर्बराठवान्ना स्रापिते कुन् सिट्र अव रूपा सिट्या शुर ह्याया राष्ट्र होग्याया प्रायी। गन्ययागृह्णात्र्या याशुःश्चितायार्थान्यायाः गर्रा श्राम्यात स्वात स्वा केव लगा गुर्ग श्रम्प्रापति नगमा निष्या में नगमा केवा हैं।

हे यार्वेव वृते केंश क्रेंन ने नुन् नुन् यारावा त्यापाने। गुनामप्रिन केन में में निम्हेंन यम र्मागुःयिरायितायितान्त्रम्याष्ट्रायमः ठव प्रवेषापान्य। अवसासमार्दिन प्राचारान्। तहेगा हेव अर्गेव 'र्रा मुत्य अर्केगा परु गर्युय प्रायुय प नष्ट्रव कु अर्ळे 'यश गुर्। त्या त्रिं स् ग्री प्रार्थ चलेया गुन अप्रिन सुर्हेन केन र्या तर्याया ळेव दें 'येन 'तेन पवेष'या है। नयय न्या गुः वर्षिय लेंदि केंदा क्रेंन हें न कुन न ज्या न्त्रपात्रे। हैं हे वगारें केतरें गुराग्रे अर्गेतरें न्देशयम् न्नन्यवे क्षन्यर उत्राचवेषाया न्न। ययन्यन्याङ्गंयानेरान्यन्यं निन् प्रवे र्शेग्रायाव्या प्राया प्राया अर्थेव विया च्राया च्राया शु'ग्राचेग्रारा'न्र्याथय। भु'ग्रास्ट ख्रायाधेन न्व भ्रेव यथा ग्री प्राप्त प्रम्य प्राप्त अर्थेव भ्रे ध्या पति पा दियायय। भ्रायाय प्रायाय श्रियाय र्थेयाय र्थेय र्थेयाय र्थेय र्थेय र्थेयेय र्थेयेय र्थेयेय र्थेयेय र्थेयेयेय र्थेयेय र्थेयेय र्थेये न्नन्न्स्र निव्यापार्सेग्रामाने। रेंहेरे केंबाश्न क्षयागुःर्केयाङ्गेरानुःकुट्राप्ययवा नकुन्पां हो हे नर्द्वा अ क्षेयानगर नर्देश ग्रेश के न्नन्न्स्रम्यते नुस्राप्ति स्पान्न स्पान्ति । ग्नापति मुल कें प्राप्त ग्राप कें प्राप्त मुल स्था कॅं प्रमाष्ठ्रप्रमार्ड्यायम् त्यातः से प्रविषापाप्रमा क्र्या है या प्रवाया कें पी हीत क्रिया अहित परिते प्राम्य कें प्रमा हे हैं या हे र न्नर्धे'यय। क्ष्यान्गर'में न्नर'न्नेयप र्शेयाषान्। कें भ्रूपागुः भ्रें माने प्रमुप्ता प्रमुपाना न्गु'रा'वे। ग्रायान्या'र्से हे तकत र्से ग्रीनर

न्नर्राथय। न्यायियवीययार्द्रम्डून्थेग्युन निम्यार्थेन्याः ह्रियायाः ग्रीः निन्दः निन्दः ह्रिवः ज्ञनया स्रोग्रायायायाः यान्यायान्यायाः विवानुः दे अर्कर विटाषुट् प्रराययाषाया वेट्याय भ्राते বক্তুদ্'দু'আমাৰা पदुःपावी दॅराकेवार्सेहेवकरायका वेगापा केव रिते से से राधराय होव हैं या या गी हैं अपा न्न। श्राकेवाराम्या ग्रावराम्याम्या र्चेर त्युर पते प्राप्त पठका मार्ग्य अर्गेव र्घे चिष्रयातात्रया चिष्रयाक्र्याक्री.कि.यटा ययपालेय. न्नु म्यायायायया । प्रचु या प्रह्याया केंया हे या प्रहा यया क्रियायायानेना हेर्ने वर्धे के यया येग्रायायम्यायेरास्ट्रा गुव्याष्ठेव र्रेटा हेव केव र्राया विराधिव पक्त हिंदा यो भ्रेग्या प्राया

नगात गान् निरात्रोता श्रेत्यो श्रित्यो । यशिटाश्चेराल्ट्या ग्रीय अधिय पश्चिरायश्चिरायश्च रोड्ने'यय। हे'ने'नेन्'ग्रे'गशुट'रन'र्धेटरार्ह्यया मुल'न्नम्गास्य'र्य'र्राह्म्हेंस्रेहें लेखा हे रूट निन्गी'गशुन'तन्य। गन्य'यर्ने'गास'कग्यायेन' यया प्रटानेटाग्रीम्बर्टातन्य इन्द्रियाः रेव र्रें के त्या ग्लॅंट हें न रहें ते रहे ते रहें ते उक्षातम्वानायम। ने ने ने ने मुन्यस्य यावव केव 'हवा 'हराया थया विहाने हो गी प्राप्त तत्वा अपयाप्तप्तात्रा याप्याप्या ग्रम कुरायमारेमानेमान्या मुयारायरार्मिनारा यया दे केंया प्रवाहन गाव तहार या राष्ट्री अर्ने भ्रगमा भ्राकेषामा प्रति केषा भ्रम प्रपा पु केरापा

विगाने पक्षू ५ ५ ग्यायन पर्वे। ष्ट्रिन्यर'न्युन्य्यन्य'न्र्याप्यर'हेव'चश्चर'वे' कुते क्वेंद्रायायवर पति र्ख्यावी याष्ट्र क्वेंद्र क्वेंद्र हो केव 'र्के 'क्रम्य विषय प्रायुट्य पादे 'यम ग्री 'पेव 'हव ' अर्देव 'तृ शुर 'हे 'अधर 'तज्ञष' अर्देव 'तृ 'हेत् 'पर 'हे ' कुते क्वेंद्राधित्रायां अर्ळअया शायां वया श्वेत्रयां है द्रा रोग्रयामुन्यान्यान्यान्या हेन तर्राया स्वा मुन्द्रमुन्द्रम् ने ने कुते म्याया प्राप्त विषया वर्षा स र्रे हेते भू पहेरा पति खुट पष्ट्रव र्रेग्या या अट र् जुट तर्गागुराहे तर्रेने नेपायरान शुरानाया शुग्या श्रुवाबिट्य पश्रुवाधियो सेवाक्ष्याया नेवावावया मेन तर्राया सम्मान्य विष्य प्रमान्य सम्मान्य सिष्य न्ग्रन्य्यत्या ने न्या भूरावया भूरावया म्या प्राप्ता स्था

न्ते हुन मुन भ हेन। शे मु प्रम्प प्रकेषा भ धेग्यद्धरातकेकेन्यम् स्हि अष्ठितः श्रुयः रचः ग्रथाञ्चा कुराश्रयातह्यासर्वि सर्केगाञ्चरा न्निन्न्यंप्रम्प्र्विषान्। हेन्न्यं अर्केगांगे ग्राचिग्राययान्ये भेरायर्के मुयाग्री स्यार्नेयान् न्यापति पॅव 'न्व 'सुर्या गुप्त 'त्र्य्व 'त्रुं सेन्'पा न 'त्र्यं व वियापवियाषापविवापायम् विमार्ग्याषासु प्रमुक्ष न्वयान्युनार्यान्युनार्यान्युनायोग्यायो। सुना नष्ट्रव 'यर्थ'र्मेय' ने 'सुव 'यावे'रोटर्थ'र्न्ट्य'र्सेट्। निते र्कुला इसा वरा वला ग्राह्मा या प्राह्मा प्राह्मा निते समार्थे। नकुः छेन् त्या । तर्नेन धेन प्रते प्रते स्था र्भेव। गिनेर क्वें निर्ने शुन विन ग्री। विवार्ख्या

व। ।रटःर्देवःश्च्यायतेःवरःश्च्रटःरु। ।गववःयः यव पतर क न्यात हुन। । ने हिर वें न या गुव ग्रीग्राहेते। ।ग्राह्मान्तिः प्राह्मान्त्रेग्राह्मा न्न। ।तहस्रास्त्रीं न्गीं नः केत् वया तर्धिया र्शेग्या । न्यापा स्ययाणी खना चना निमानी रेगार्टरार्वेवापाववा किंग्ययाध्याकृति हेवा पर्चेगर्ग विग्नान्यव स्प्राङ्ग स्यानुया निन्। ।नेरानहेन हेंग्रायायो स्वाग्रान। ।योग्या नश्चित्रान्तेन्द्रश्चित्रा । तिन्धित्राप्यवाप्य त्शुरापाधी । प्रापठता चुरारा अळेबा गुर्। ।रूर्गविव मुन प्रार्थ गुर विग तर्कें न्यात् सुरायदा सेना सेना सेना

ष्ठित्रप्रः च्या गिर्नेरः श्रीः प्रगादः प्रप्राकेषः केषः र्यः प्रवृग्राषः परम्रेषागुराहे प्रविवास्यायर्देवायाग्वरावदर भु'गश्रुट्'श्रुगराहेत। मु'र्हे'र्श्रेगराष्ट्रट्'यर्कर'ट्'य ध्यानु द्वारा स्वारा निर्मान्या गिन्र गुं केंश केंत्र पि म्राप्ता में हेते ग्वात्रा वयाग्यम्य नितं ग्वम्य थेगा है नारा क्रम्भायाम्बर्धाः केत्र होत्र परिचया क्षुः श्रेत्र प्रभा नश्चम्याया रच मवस्य सँग्राय केन नम् वर शून न **秋ế勺'斉**| ने भ्रम्ति क्या वर व्यव र्येट प्रम् व्यव र्येट या धिव पंच्यायायायायम्ब न्यापंच्यायायाया रे'नत्व'रा'रन'हुट'नसु'त्वा'रादे'रा'र्थण'त्रा'ना'ह्य पते केंग न्वा वी प्वी प्रार्थेन। इसी मार्थि पा न्नभुन्न अर्ळव कें तेन पर्से न खुन कुन नु

य्त्रियायाणी स्रेयाप्ति । त्रम्य स्व यार तर्यश्राकूर्या क्र्या मुला क्रेव 'र्रादे पार्श्वा लया ' पटार् भ्रूर थटा वे अप्येते श्रुवाद्या गार विवादार शुर में। । न्यायायनि निन्यो धिये गार्म में वायन्य ह्मेंट्याच्या विया होट्या सुप्त व्याया विटावटा यो यर्ट्र में यर्च या हैं एका या हुया अया। यर रें प्रव्याया हे तर्रे ने ने ग्री इस वर विया ग्री प्र केंग्रा पठन स त्रा वरकुषाञ्चरकुर्कुर्कुर्कुर् क्रींटर्ट्र हेर्नेर्गु इस वर्ग्यह्राया वया ग्रुट्य नेया अष्ठित 'हैं'हे 'तकट' गैर्या अर्ह्प 'प्रति ह्या घर' केव कें। । अपव रेव रें के गुव र्षाय र्पार प्रार्थ वीवानश्चेवावारादे वावारान्ते द्वा वर नि पर्वित्यास्त्रयास्या व्ययत् स्यावित्या वर्नवर्षा कुर्वा वर्ष्ट्रवार्थेया वा न्यान्य वित्र विवा है।

अर्देर'नष्ट्रकायाँचेयाकानदेर'चेकार्का याट यो यायाट पायायायाया के स्वा विष्य स्वा हेषायहणार्श्वेपायक्वेपान्निपान्ति। विपानपार्निपा तम्बायत्यव्यात्र्यां पात्रा । व्रायाः भ्राप्तिते गी तयर शुर विवा विवा विवा रिवा प्रतर हिंद वर प्रवा विवा ग्री'ग्वर्गःभ्राचरा'यया'ग्रित्र'येत्र'में में म्यूर्य क्ष्यायान्य स्थान्य स् लॅराईटाषरालॅं कृते चेषायायषाश्वरालें ने नेत्र अष्ठित पर्रे में ८ र्वेष पतिष्य ग्रिय ग्री र स्था वर प्राचेषाया पर्नेराविभार् । श्रुट पायदेषा प्राया स्वा न्ना अते । स्वा यश्रात्रेया विटा मुशापते मुरा मुरा स्वा न्वोदें। ।न्वोदें। ।न्वोदें। ॥ तर्रा १९०६ विते न्ना १०एम ने वित्र के मेग्या परि भ्रुव ।पट वर्ष र्कर ५००० श्रूर र्पेट्र

मुग्गर क्रिंभे नेंद्र धेग प्रदायद वर्ष गुट श्वर धेंद्र स्था मुर्ग क्रिंभे क्रि